sab ka sapna 10 March 2026:Layout 1 09-03-2026 21:34 Page 1

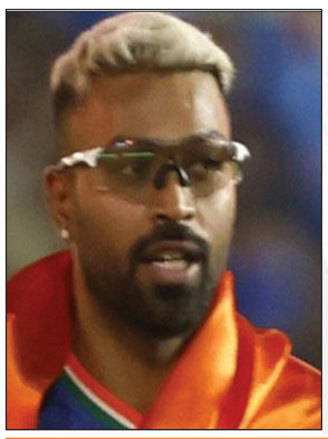

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

'यह तो बस शुरूआत है हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप जीतने पेज: 7

गोलमाल 5 से जुड़ी साउ ए ट्रेस प्रियामणि पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 327 | मंगलवार 10 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मंत्री राममोहन नायडू का बड़ा बयान, तेजी से चल रही जांच, जल्द आएगी अंतिम रिपोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा है कि लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट के दुखद हादसे की विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा की जा रही जांच "बहुत तेजी से" आगे बढ़ रही है और रिपोर्ट घटना के एक साल के भीतर आ जानी चाहिए। यह हादसा पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से विमान के उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ था। नायडू ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों के जवाब देते हुए कहा कि जांच बहुत तेजी से चल रही है और मंत्रालय एएआईबी को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रहा है। रिपोर्ट साल के अंत तक आ जानी चाहिए। मंत्री शिवसेना सदस्य मिलिंद देवरा के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171, एक बोइंग 787-8, अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई

पश्चिमी एशिया संकट पर दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक, पीएम मोदी ने की समीक्षा

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिमी एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच सोमवार को नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। बैठक में क्षेत्र की मौजूदा स्थिति और वहां मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान के साथ बैठक की। कुछ देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में शामिल हुए। इस दौरान पश्चिमी एशिया की स्थिति और भारत की प्रतिक्रिया को लेकर विस्तृत चर्चा

की गई। संसद में भी दिया गया था बयान इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिमी एशिया के हालात पर संसद के दोनों सदनों–लोकसभा और राज्यसभा–में वक्तव्य दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी जारी जयशंकर ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत लाने का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार इस समय भारतीय नागरिकों को समर्थन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अब तक लगभग 67,000 नागरिकों की सुरक्षित वापसी हो चुकी है और आगे भी पश्चिमी एशिया से लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। कैबिनेट सुरक्षा समिति की बैठक में भी हुई समीक्षा विदेश मंत्री ने बताया कि हालात की गंभीरता को देखते हुए 1 मार्च को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी। इसमें ईरान में हुए एयरस्ट्राइक और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों की जानकारी दी गई। सीसीएस ने क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की और सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक और कमर्शियल गतिविधियों पर पड़ने वाले असर की भी समीक्षा की। संघर्ष बढ़ने से क्षेत्रीय स्थिति खराब जयशंकर ने कहा कि संघर्ष लगातार बढ़ रहा है और पूरे इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। यह लड़ाई दूसरे देशों में भी फैलती दिखाई दे रही है, जिससे तबाही और मौतों की संख्या बढ़ रही है। पूरे क्षेत्र में सामान्य जीवन और आर्थिक गतिविधियों पर भी इसका साफ असर पड़ा है और कुछ जगहों पर गतिविधियां रुक गई हैं।

भारत ने बातचीत और कूटनीति पर दिया जोर उन्होंने कहा कि भारत ने 3 मार्च को एक बार फिर बातचीत और कूटनीति के जरिए संघर्ष समाप्त करने की अपील की है। जयशंकर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि पूरा सदन भी जान-माल के नुकसान पर दुख व्यक्त करने में उनके साथ है।

इसमें ईरान में हुए एयरस्ट्राइक और उसके बाद....

विदेश मंत्री ने बताया कि हालात की गंभीरता को देखते हुए 1 मार्च को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी। इसमें ईरान में हुए एयरस्ट्राइक और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों की जानकारी दी गई।

राहुल गांधी एक ''विफल विपक्ष के नेता' : संसद में पीयूष गोयल का कांग्रेस पर जोरदार हमला

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर पहले से निर्धारित बहस के दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की मांग करने के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों सदनों को सूचित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिर स्थिति के संबंध में सदनों को संबोधित करते हुए, जयशंकर ने पुष्टि की कि सरकार ने क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के लिए औपचारिक सलाह जारी की है। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने मंत्री के बयान के बजाय चर्चा की मांग करते हुए नारे और तख्तियां उठाईं। कांग्रेस

सांसद राहुल गांधी को विफल विपक्ष नेता बताते हुए, पीयूष गोयल ने भारत गठबंधन के भीतर दरार का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस पर सदन में अशांति फैलाने और समय बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अनुरोध पर नोटिस स्वीकार किया गया था। उनसे चर्चा के बाद यह तय किया गया कि इस पर आज चर्चा होगी। आज इस पर बहस होगी। इसी बीच वे एक और प्रस्ताव लेकर आ गए। उन्हें न तो संसदीय प्रक्रिया की समझ है और न ही संविधान का सम्मान। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के विपक्ष के नेता बनने के बाद से संसद चलाने की उनकी इच्छा मानो खत्म हो गई है। वे पहले से तय रणनीति के साथ आते हैं। तख्तियां लेकर आते हैं। सदन में अशांति फैलाते हैं। बेबुनियाद मुद्दों पर संसद का समय बर्बाद करते हैं। उनके अपने ही गठबंधन के सदस्य इस बहस से भाग रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन में दरार पड़ गई है। राहुल गांधी विपक्ष के एक असफल नेता हैं। उन्हें न तो संविधान की समझ है और न ही संसदीय प्रक्रिया, कार्यप्रणाली या नियमावली में उनकी कोई रुचि है। उनके काम करने के तरीके से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस एक दिशाहीन, पूरी तरह से विफल विपक्षी दल है। मेरा मानना है कि उनके सहयोगी, डीएमके और टीएमसी, भी यह समझने लगे हैं, और इसीलिए उन्होंने आज की बहस में कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के संसदीय बयान को लेकर केंद्र की आलोचना की और इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की।

'संसद का सामना नहीं कर पाएंगे पीएम मोदी, पश्चिम एशिया पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि सरकार संसद में पश्चिम एशियाई संकट पर चर्चा करने को तैयार नहीं है, क्योंकि इससे यह उजागर हो जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका और इजराइल के दबाव में कैसे झुक गए हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति जनता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है, क्योंकि वहां के संघर्ष से तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। रायबरेली सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से कितना नुकसान होगा? एक बड़े बदलाव की दिशा में संघर्ष चल रहा है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। आपने शेयर बाजार देखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका

के साथ समझौता किया है। देश को बड़ा झटका लगने वाला है। तो फिर इस पर चर्चा करने में उन्हें क्या समस्या है? हम इसके बाद अन्य मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। क्या पश्चिम एशिया महत्वपूर्ण नहीं है? क्या ईंधन की कीमतें और आर्थिक तबाही चर्चा के महत्वपूर्ण विषय नहीं हैं? ये जनता के मुद्दे हैं। गांधी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया संकट पर दोनों सदनों में चर्चा हुई तो प्रधानमंत्री संसद का सामना नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इसे महत्वपूर्ण मानते हैं और इस पर चर्चा चाहते हैं... लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते क्योंकि इससे अन्य बातें सामने आएंगी, प्रधानमंत्री की छवि खराब होगी। उनका पदार्फाश हो जाएगा। यह बात सामने आ जाएगी कि वे कैसे समझौता कर रहे हैं और कैसे उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। इसलिए वे चर्चा नहीं करना चाहते। आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से कैसे भाग गए। मैं आपको बता रहा हूं, वे नहीं आ पाएंगे। पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। निचला सदन 10 मार्च को सुबह 11:00 बजे फिर से बैठेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत सोमवार को तीव्र टकराव के साथ हुई, क्योंकि भाजपा सांसदों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष पर पश्चिम एशिया संघर्ष पर विरोध प्रदर्शन करके कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। इससे पहले, इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर पश्चिम एशिया विवाद को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए

सुनवाई होने तक आरोपमुक्त नहीं होंगे केजरीवाल-सिसोदिया, एचसी ने कहा- ट्रायल कोर्ट ने अहम तथ्यों को नजरअंदाज किया

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति मामले में सीबीआई की याचिका पर केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को नोटिस जारी किया। सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी करने का निचली अदालत का आदेश अनुचित है। सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्पाद शुल्क नीति का मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक है और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है। मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य को बिना सुनवाई के ही बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शराब नीति में हेरफेर के लिए साजिश और रिश्वतखोरी को दर्शाने वाले पुख्ता सबूत जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं

और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। सीबीआई ने कहा कि हमारे द्वारा जुटाए गए सबूतों को नजरअंदाज किया गया है और केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। पिछले हफ्ते दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि शराब नीति की जांच के दौरान सीबीआई द्वारा जुटाए गए सबूत "नीति को छिपाने, एकतरफापन या संवैधानिक अधिकार के बहिष्कार" का प्रथम दृष्टया मामला उजागर करने में विफल रहे, और इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर शराब नीति मामले में आरोपी सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता और 20 अन्य लोगों के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। 598 पृष्ठों के अपने आदेश में न्यायालय ने कहा, वर्तमान में उपलब्ध सामग्री से नीति को छिपाने, एकतरफा कार्रवाई करने या संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करने का प्रथम दृष्टया मामला सामने नहीं आता है। इसके विपरीत, रिकॉर्ड से पता चलता है

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अब देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संसद के मौजूदा बजट सत्र में ही इस प्रस्ताव का नोटिस देने की तैयारी चल रही है। इसके लिए पार्टी ने प्रस्ताव का प्रारूप तैयार करना शुरू कर दिया है और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है। मतदाता सूची संशोधन को लेकर बढ़ा विवाद पश्चिम बंगाल में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। टीएमसी का आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। पार्टी नेताओं का दावा है कि यह कार्रवाई कथित तौर पर विपक्षी समर्थकों और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं को प्रभावित कर सकती है। टीएमसी ने इस मामले को लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। ममता बनर्जी ने भी जताई नाराजगी राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की आलोचना की है। उनका कहना है कि संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं होना चाहिए। बताया जाता है कि फरवरी में दिल्ली में हुई एक बैठक के दौरान चुनाव आयोग के साथ बातचीत में टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने असंतोष जताया था और बाद में बैठक से बाहर आ गया था।

इंटरनेट पर छाया खाकी का जलवा! दिल्ली और अहमदाबाद पुलिस के बीच छिड़ी 'मजेदार' जंग!

नई दिल्ली एजेंसी: रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सिर्फ बल्ले और गेंद की जंग नहीं हो रही थी, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर दिल्ली और अहमदाबाद पुलिस के बीच छिड़ी 'गुदगुदाती जंग' ने भी नेटिजन्स का दिल जीत लिया। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के इस हाई-वोल्टेज फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों के रौद्र रूप को देखकर दिल्ली पुलिस ने एक ऐसा मजाक किया जो देखते ही देखते वायरल हो गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत की जबरदस्त बैटिंग के दौरान, दिल्ली पुलिस ने अहमदाबाद पुलिस को टैग करते हुए एक्स पर एक मजेदार मैसेज पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा था, प्रिय अहमदाबाद पुलिस, आपको कीवी टीम से बॉल गायब होने की शिकायतें मिल सकती हैं। इसे सीरियसली लेने की जरूरत नहीं हैङ्ग यह हमारे बैट्समैन हैं जो उन्हें स्टैंड्स में भेज रहे हैं। अभिषेक शर्मा और संजू

सैमसन ने सिर्फ. 7.1 ओवर में 98 रन की जबरदस्त पार्टनरशिप करके नींव रखी, जबकि ईशान किशन ने 25 गेंदों पर तेजी से 54 रन बनाए। मिडिल ऑर्डर में थोड़ी गड़बड़ी के बावजूद, भारत ने 15 ओवर में ही 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया, जिससे फाइनल में न्यूजीलैंड के सामने एक मुश्किल टारगेट आ गया। यह मजेदार बात तब आई जब भारतीय बैट्समैन इस हाई-स्टेक फाइनल में न्यूजीलैंड के बॉलर्स पर हावी हो रहे थे। उसी जोश में जवाब देते हुए, अहमदाबाद पुलिस ने जवाब दिया, यह हमारे ध्यान में लाने के लिए धन्यवाद। मामले की रिपोर्ट ऊपर के पुलिस अधिकारियों को कर दी गई है। इस मजेदार बातचीत ने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान तुरंत खींचा, जिन्होंने कमेंट सेक्शन में मजेदार रिएक्शन दिए। एक यूजर ने मजाक में कहा, गुजरात एक ड्राई स्टेट है। मजाक भी मना लगता है। दूसरे ने कमेंट किया कि दिल्ली पुलिस भी इंडियन बैटिंग का मजा ले रही है। कुछ यूजर्स ने पोस्ट की टाइमिंग पर भी मजाक उड़ाया। एक और यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा, बहुत देर हो गई दिल्ली पुलिस, हमेशा की तरह

20 लाख घरों तक पहुंचेगा हाई-स्पीड इंटरनेट, एक लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

लखनऊ एजेंसी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'डिजिटल उत्तर प्रदेश' के विजन को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। 'प्रोजेक्ट गंगा' (गवर्नमेंट असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट) के तहत अब प्रदेश के गांव-गांव तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाई जाएगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 'स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन' और हिंदुजा ग्रुप की कंपनी 'वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड' के बीच एमओयू साइन किया गया है। डिजिटल उद्यमिता से सशक्त होंगे ग्रामीण युवा यह परियोजना केवल इंटरनेट कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार सृजन का एक बड़ा माध्यम बनेगी। डिजिटल उद्यमी: न्याय पंचायत स्तर पर 8000 से 10000 स्थानीय युवाओं को 'डिजिटल सेवा प्रदाता' के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण: इस पहल में 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की सुनिश्चित की गई है, जिससे ग्रामीण नारी शक्ति को तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। रोजगार का लक्ष्य: परियोजना के माध्यम से अगले 2-3 वर्षों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित

किए जाएंगे। बदलेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि हाई-स्पीड इंटरनेट गांव की अर्थव्यवस्था के लिए 'गेम चेंजर' साबित होगा। कनेक्टिविटी: लक्ष्य है कि 20 लाख घरों तक ब्रॉडबैंड पहुंचे, जिससे लगभग 1 करोड़ आबादी लाभान्वित हो। सुविधाएं: गांवों में अब टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, ई-कॉमर्स और डिजिटल बैंकिंग जैसी सुविधाएं बिजली की गति से उपलब्ध होंगी। वित्तीय सहायता: डिजिटल उद्यमिता से जुड़ने वाले युवाओं को सरकार 5 लाख तक का ब्याज मुक्त और गारंटी मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। डिजिटल हाईवे: एक्सप्रेसवे से भी अधिक प्रभावी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने जोर देकर कहा कि आज के दौर में 'डिजिटल हाईवे' का महत्व भौतिक सड़कों से भी अधिक है। एआई डिवाइड का खात्मा: यह परियोजना गांवों और शहरों के बीच की डिजिटल खाई को कम करेगी। सीमावर्ती क्षेत्रों पर ध्यान: श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर जैसे सीमावर्ती और आकांक्षी जिलों में ब्रॉडबैंड पहुंचने से वहां के युवाओं के लिए यूट्यूब और ऑनलाइन कंटेंट के माध्यम से आय के नए स्रोत खुलेंगे।

'प्रोजेक्ट गंगा' का नाम और सोच हिंदुजा ग्रुप के अनुसार, जिस तरह मां गंगा करोड़ों लोगों के जीवन और कृषि का आधार हैं, उसी तरह यह 'डिजिटल गंगा' ग्रामीण यूपी में सूचना और आर्थिक समृद्धि का संचार करेगी। दूर-दराज के 'अंडर-सर्व्ड' (जहाँ सुविधाएं कम हैं) क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ना ही इस मिशन का प्राथमिक उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'डिजिटल उत्तर प्रदेश' विजन के तहत 'प्रोजेक्ट गंगा' शुरू हुआ है। इसके तहत हिंदुजा ग्रुप के साथ मिलकर यूपी के 20 लाख ग्रामीण घरों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड पहुंचाया जाएगा, जिससे 1 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे।

2 सब का सपना हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
मंगलवार 10 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

संपादकीय

बढ़ता तापमान

हाल के वर्षों में कम समय के सर्दी के मौसम के बाद तापमान में अचानक वृद्धि, मौसम के पैटर्न में आ रहे असामान्य बदलाव का स्पष्ट संकेत है। सर्दी के बाद वसंत के मौसम का जल्दी चले जाना और जल्दी गर्मी का आना क्षेत्रीय वायुमंडल परिवर्तनों और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन का कारण माना जा रहा है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। खासकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सेब के बागों में, कम होती ठंडक से उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचने के लिए अनुकूलन उपायों में जलवायु अनुरूप बागवानी पद्धतियों को अपनाने और दीर्घकाल में सेब पट्टी को ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की जरूरत होगी। आवश्यकता होगी कि हम सूखा-सहिष्णु फसलों को अपनाएं। कम जल के बेहतर उपयोग के प्रयास हों। अब सिर्फ वैकल्पिक फसलों के भरोसे ही नहीं रहा जा सकता, कई मोर्चों पर पहल करने की जरूरत होगी। कुल मिलाकर एक स्पष्ट रणनीति को अपनाकर हम बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं है कि मार्च के पहले सप्ताह में उच्च तापमान का महसूस होना, आने वाले संकट का स्पष्ट संकेत है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले लू के दिनों की संख्या 1980 के बाद से दुगनी से भी अधिक हो गई है। हमारे देश में तीव्र शहरीकरण, सघन निर्माण और हरित क्षेत्रों के लगातार जारी क्षरण के चलते भी तापमान में वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ते तापमान से उत्पन्न जल व ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तत्काल कारगर योजनाओं की जरूरत है। इसके साथ ही शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु में तेजी से होने वाले परिवर्तन के इस नये असामान्य परिदृश्य के लिए नागरिकों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के लिए भी एक नया चार्टर बनाने की आवश्यकता होगी। सरकारों की तैयारियों को लेकर भी स्पष्ट रीति-नीति का निर्धारण जरूरी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निस्तारण के लिए रणनीतियों को लेकर सहभागी दृष्टिकोण प्रभावकारी हो सकता है। आने वाले समय में मौसम की चरम स्थितियां घातक साबित हो सकती हैं, जिनका मुकाबला मौजूदा अपर्याप्त प्रशासनिक योजनाओं के जरिये संभव न होगा। इसके लिए कारगर रणनीतियां बनाने की जरूरत होगी। हमें बिजली की अनुमानित मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना होगा। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श जारी करने तथा प्रभावी उपचार की उपलब्धता भी जरूरी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि हमें बिजली और पानी की बबार्दी पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

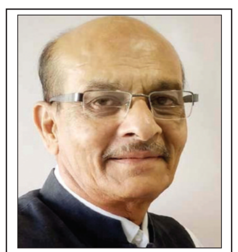

सनत जैन

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ह्लकानून के शासनह्व (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश मानते हैं, ईरान की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। यही कारण है, मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था एवं राजनीति पर पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पुतिन का यह प्रस्ताव कि पी5 के देश मिलकर वर्तमान स्थिति में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें। रूस के राष्ट्रपति के इस बयान को अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। विश्व की प्रमुख शक्तियां इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करती हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया के देशों में एक बेहतर संदेश और एकजुटता बनाने में मदद मिलेगी। जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, उनका पालन यदि कोई देश नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने की बाध्यता वैश्विक स्तर पर तैयार की जानी चाहिए। ताकि वैश्विक व्यवस्था का विश्वास एवं सुरक्षा को पुनः बहाल किया जा सके। यह समय की मांग है। महाशक्तियों का यह दायित्व है कि वह दुनिया के देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत कर सारी दुनिया में शांति बनाए रखना चाहती हैं या नहीं। पुतिन की यह चिंता जायज है। अमेरिका जैसे देश दादागिरी करके एक बार फिर जंगल राज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। शक्ति संतुलन के आधार पर जिस तरह से दुनिया के देशों को मनमर्जी से हांका जा रहा है, उसके कारण एक बार फिर दादागिरी की नई विश्व व्यवस्था बन रही है। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध वाले एक बार फिर हालात पैदा हो सकते हैं। अमेरिका और अन्य प्रमुख महाशक्तियों को विश्व के सभी देशों को स्पष्ट उत्तर देना ही होगा। वर्तमान स्थिति में जिस तरह के हालात बने हुए हैं सारी दुनिया के देश युद्ध की आशंका से जूझ रहे हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के हालात बनने लगे हैं सारी दुनिया के देशों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आजादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया ह्यबालहत्या रोकथाम गृहह्न नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मजबूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मजबूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस जमाने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए ह्यसत्यशोधक समाजह्न नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे

कमजोर लोगों को जुल्म और शोषण से आजाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के जरिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ. अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं। मृत्यु उनके गोद लिए हुए बेटे यशवंतराव ने डॉक्टर के तौर पर अपने इलाके के लोगों की सेवा की। जब 1897 में दुनिया भर में फैली तीसरी महामारी बुबोनिक प्लेग ने महाराष्ट्र के नालासपोरा के आस-पास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो हिम्मत वाली सावित्रीबाई और यशवंतराव ने पुणे के बाहरी इलाके में इस बीमारी से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए एक क्लिनिक खोला। वह मरीजों को क्लिनिक लाती थीं जहाँ उनका बेटा उनका इलाज करता था जबकि वह उनकी देखभाल करती थीं। समय के साथ, मरीजों की सेवा करते हुए उन्हें यह बीमारी हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनकी मौत हो गई। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों को खत्म करने के लिए सावित्रीबाई की लगातार कोशिशें और उनके द्वारा छोड़े गए अच्छे सुधारों की समृद्ध विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है?

उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र ह्यथ्री गॉर्जेस डैमह्न से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है।

यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं।

हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है।

इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं।

इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है।

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना ह्लरन-ऑफ-द-रिवरह्व तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी।

दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ नदी के जल प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना भी है।

स्पष्ट है कि ब्रह्मपुत्र पर चीन का यह मेगा बांध केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है। यह आधुनिक दौर की ह्लजल भू-राजनीतिह्व का उदाहरण भी है, जहाँ नदी के स्रोत पर स्थित देश को स्वाभाविक रणनीतिक बढ़त मिल जाती है। चीन इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से देखता है, जबकि भारत इसे जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से जोड़कर समझता है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ब्रह्मपुत्र भविष्य में सहयोग का माध्यम भी बन सकती है और तनाव का कारण भी। यदि भारत, चीन और बांग्लादेश पारदर्शी जल प्रबंधन, डेटा साझेदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा के साझा ढाँचे पर सहमत हो जाएँ, तो यह नदी संघर्ष की धारा नहीं बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समृद्धि की धारा बन सकती है। हालांकि लेकिन इसके लिए विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता होगी।

शारदा (आउट ऑफ स्कूल) तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का ब्लॉक संसाधन केंद्र चंदनपुर में भव्य समापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा की मुख्यधारा से दूर हुए बच्चों को पुनः स्कूलों से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित 'शारदा' (स्कूल हर दिन आएं) कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र चंदनपुर पर आयोजित तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को समापन हो गया। समापन समारोह में उच्चाधिकारियों, अतिथियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। तीन दिनों तक चले इस सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र के लगभग 100 परिषदीय शिक्षकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बिंदु 'आउट ऑफ स्कूल' बच्चों की पहचान करना, उनका नामांकन सुनिश्चित करना और सबसे महत्वपूर्ण, विद्यालयों में उनके ठहराव (Retention) को बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के अंतिम दिन खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए विद्यालय में बच्चों के ठहराव के विषय पर

विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि नामांकन के बाद भी कई बच्चे किन्हीं कारणों से स्कूल छोड़ देते हैं। उन्होंने इन समस्याओं के मूल कारणों को चिन्हित करने और उनके प्रभावी समाधान के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अनिल कुमार ने जोर देकर कहा कि "शारदा कार्यक्रम के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चे को शिक्षा से जोड़ना और उसे विद्यालय में बनाए रखना हम सभी शिक्षकों की नैतिक और व्यावसायिक जिम्मेदारी है।" प्रशिक्षण के दौरान संदर्भ दाताओं के रूप में विकास राहुल, जगबीर सिंह, संजय सिंह तथा एआरपी कमल दीपेंद्र सिंह ने शिक्षकों को महत्वपूर्ण तकनीकी और व्यावहारिक जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने शिक्षकों को सर्वे करने के तरीके, बच्चों के मनोविज्ञान को समझने और शिक्षण को रुचिकर बनाने के गुर सिखाए ताकि आउट ऑफ स्कूल बच्चे विद्यालय के वातावरण में सहज महसूस कर सकें। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह सहित वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, महताबउद्दीन, विजेंद्र सिंह, देवराज सिंह और अन्य शिक्षक नेताओं ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में सुभाष चंद्र, प्रकाश सिंह, अमित कुमार, हरवीर सिंह, संजय कुमार, मुनेंद्र कुमार, अभिषेक कुमार, मुकुल चौहान, विकास शर्मा, आसमा सैफी, निकहत, अनीता रानी, अनुराधा, मोहम्मद शाकिब, नाजिम और धर्मेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

रमजान सबसे अफजल महीना, इबादत और इंसानियत का पैगाम देता है:- मौ. सिराज

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- युवा समाजसेवी मौ. सिराज ने रमजान माह की फजीलत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साल के तमाम महीनों में रमजान सबसे अफजल और बरकतों वाला महीना है। कहा कि इसी पवित्र महीने में कुरान मजीद नाजिल हुई, जिसने पूरी इंसानियत को एक बेहतरीन और मुकम्मल कलाम-ए-पाक अता किया, जिसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद है। सिराज ने कहा कि अल्लाह तआला ने रमजान को रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना बनाया है। इस पाक महीने में की गई छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी नेकी को अल्लाह कई गुना बढ़ाकर उसका सवाब अता करता है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि अगर किसी को रमजान का

महीना नसीब हो, तो उसे चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा इबादत करे, रोजा, नमाज, तिलावत-ए-कुरान और दुआ के जरिए अल्लाह को राजी करने की कोशिश करे और अपने गुनाहों की माफी मांगे। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना आत्मसंयम, सब्र और इंसानियत का सबक देता है। इस महीने में अल्लाह अपने बंदों के गुनाह माफ फरमाता है, बशर्ते कि इंसान सच्चे दिल से तौबा करे। मौ॰ सिराज ने समाज से यह भी अपील की कि रमजान के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और किसी की वजह से कोई परेशान न हो। जरूरतमंदों, गरीबों, बेसहारा लोगों और रोजेदारों की मदद करना रमजान की असल रूह है। अंत में उन्होंने कहा कि रमजान के पाक महीने में मुसलमान भाई ज्यादा से ज्यादा सदका, जकात और खैरात करें, आपसी भाईचारे को मजबूत करें और समाज में मोहब्बत, अमन और इंसानियत का पैगाम फैलाएं।

अस्मिता खेलो इंडिया योगासन वूमेन'स सिटी लीग 2026 का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के निर्देशन में योगासन अमरोहा द्वारा रविवार को महिला दिवस के अवसर पर अस्मिता खेलो इंडिया योगासन वूमेन'स सिटी लीग 2026 का आयोजन कन्या गुरुकुल चोटीपुरा में किया गया।। इसमें कंपटीशन मैनेजर पूनम भारद्वाज तथा कंपटीशन डायरेक्ट कोमल चौधरी रही। इस प्रतियोगिता में डॉ अमिता असिस्टेंट प्रोफेसर (सहायक आचार्या) कन्या गुरुकुल चोटीपुरा विशिष्ट अतिथि रहीं। इस प्रतियोगिता मे 100 से अधिक। खिलाड़ियों ने प्रतिभाग

किया। जिसमें ट्रेडिशनल इवेंट अट्ठारह वर्ष से कम आयु वर्ग में अनामिका ने प्रथम,सलोनी ने द्वितीय, भाविका ने तृतीय, प्रियांशी नगर ने चतुर्थ और विभा ने पंचम स्थान प्राप्त किया। ट्रेडिशनल इवेंट अट्ठारह वर्ष से अधिक आयु वर्ग में नेहा कुमारी ने प्रथम स्थान कलात्मक योगासन एकल में आयेर्शा शर्मा ने प्रथम, प्रशंसा ने द्वितीय और स्मृति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तालात्मक योगासन युगल में ऋचा / दिव्या ने प्रथम अवनी / खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कलात्मक योगासन युगल में ऋचा / वंशिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाणी, लावण्या, भाविका, महिमा, तान्या -१२३ विजयी खिलाड़ियों को मैडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में डॉ जोगिन्द्र सिंह, नोबहार सिंह, पुरुजीत सिंह, सचिन चौधरी, सचिन सिद्धू, कमलेश यादव, कोमल चौधरी, पूनम भारद्वाज, वैभवी, वेदिका, लोकेश कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, फैमिली आईडी, कैच द रैन अभियान की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी, ई ऑफिस, आई0 जी0 आर0एस0 और कैच द रैन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के निर्देश दिए और उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत को निर्देश दिए की सभी मेरे ऑफिस में प्रतिदिन आकर कितने प्रोग्रेस किया आदि की जानकारी देंगे। पीएम सूर्य घर योजना में विभागवार प्रगति जानते हुए खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सुधार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस के संबंध में निर्देश दिए की शिकायतों के गुणवत्ता और निस्तारण की मॉनिटरिंग शासन स्तर पर की जा रही है इसलिए किसी प्रकार की आख्या खराब ना हो । शिकायतकर्ता संतुष्ट होना जरूरी है उसके लिए स्वयं

मॉनिटरिंग करें, शिकायतकर्ता को विभाग अध्यक्ष स्वयं फोन करके जानकारी प्राप्त करें। ई-ऑफिस के संबंध में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह शासन की प्रमुखता में है इसलिए सभी पत्राचार ई-ऑफिस के माध्यम से अवश्य हो। ई-ऑफिस के माध्यम से कम पत्राचार होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन और गैस कनेक्शन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई स्थल चिह्नित कर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त संबंधित विभाग स्थल चयन कर जल संरक्षण संरचनाएं की कार्ययोजना तैयार कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। निर्देश दिए कि स्वयं से संबंधित पूर्ण कार्यो को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करें।

उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए की मॉनिटरिंग करें ताकि कार्य को सफलतापूर्वक किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शासन स्तर से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद के 78 दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण के बाद सफलतापूर्वक रोजगार उपलब्ध कराया गया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शासन स्तर से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सफलता उत्तर प्रदेश सरकार की समावेशी विकास नीति का जीता-जागता उदाहरण है, जिसमें दिव्यांग व्यक्तियों को मुख्यधारा में शामिल करने पर विशेष जोर दिया जाता है। कौशल विकास मिशन के तहत

दिव्यांगजनों को उनकी योग्यता के आधार पर व उनकी रुचि के आधार पर विभिन्न कंपनियों में सेवा आयोजित कराया गया, जिसके फलस्वरूप उन्हें निजी एवं सरकारी क्षेत्रों में नौकरियां मिलीं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने टीम वर्क, समन्वय और निरंतर मॉनिटरिंग के माध्यम से इस लक्ष्य को हासिल किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता से पूरे परिवार का उत्थान होता है। यह प्रशस्ति पत्र न केवल अमरोहा जिले की टीम के लिए सम्मान है, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा।ऐसी पहलें समाज में समानता और अवसर की भावना को मजबूत करती हैं।

अमरोहा जिला प्रशासन की यह उपलब्धि अन्य जिलों के लिए मिसाल बनेगी, जहां कौशल विकास के माध्यम से अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ा जा सके।इस अवसर पर आईटीआई प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा व टीम को बधाई दी।

'द आर्यन्स' परिवार ने जिलाधिकारी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दी शुभकामनाएं

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यन्स विद्यालय परिवार ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से कलेक्ट्रेट सभागार में जाकर जिलाधिकारी 'निधि गुप्ता वत्स' एवं डॉ. मोनिका सिरोही को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी ' इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी तथा प्रधानाचार्य आदेश सिंह सहित कला विभाग के अध्यक्ष संतोष कुमार और शिक्षिका नाहिद नकवी ने महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और समाज में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने अपने संदेश में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, खेल तथा सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों

में महिलाएं अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही हैं। विद्यालय परिवार की ओर से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स अमरोहा को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रेरणादायक कार्यों के लिए विशेष रूप से बधाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल नेतृत्व की सराहना की गई। साथ ही यह भी कहा गया कि उनके मार्गदर्शन में जिले में महिला शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं।

इस दौरान जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने भी स्वयं महिला शिक्षिका नाहिद नकवी को शॉल भेंट कर सम्मानित करते हुए बधाई दी ' इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए समाज में महिलाओं के सम्मान और समान अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

अंत में विद्यालय के निदेशक अमन लिट्ट ने कामना कि की जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में जनपद निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहे तथा महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में नए आयाम स्थापित हों। इस दौरान नाहिद नकवी और संतोष कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे '

धनौरा सीएचसी में की गई समीक्षा बैठक, नसबंदी, टीकाकरण ,एचपीवी वैक्सीन पर दिया गया जोर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सोमवार को एएनएम की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने के निर्देश दिए। बता दें कि बैठक का मुख्य एजेंडा बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण रहा। डॉ. राहुल कुमार ने बताया कि 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत

टीकाकरण सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी (HPV) वैक्सीन पर भी एएनएम को प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे पात्र किशोरियों और महिलाओं को जागरूक कर सकें।समीक्षा बैठक में आयुष्मान भारत योजना पर भी विशेष जोर दिया गया। सीएचसी प्रभारी ने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र लाभार्थी आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे। परिवार नियोजन कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए पुरुष एवं महिला नसबंदी के लक्ष्यों को समय पर पूरा करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम की जा सके।इस बैठक में बीपीएम अभिषेक वर्मा, एआरओ अमित कुमार यादव, डब्लूएचओ मॉनिटर दिनकर शर्मा, राजबाला, मनोज कुमार, सीमा परवीन, तेजेंद्र कौर, रीता, ममतेश कुमारी, रेखा शर्मा, प्रीति, प्रियंका, राखी, अंजुम, विनीता, सदाना, सीतू, शारिबा, अंशु चौधरी, सोनम, नीलू, निधि, प्रियंका, सुनीता, नीतू, निधि, श्वेता, बीना, मोनिका, कमलेश, ज्योति, सुनीता और नीलिमा सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम और क्षेत्र की एएनएम मौजूद रहीं।

यूपीएससी में 14 वीं रैंक हासिल करने पर जिलाधिकारी ने सुरभि यादव को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ग्राम नसीर नगला की निवासी सुरभि यादव ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 14 हासिल कर इतिहास रच दिया है। सुरभि पुलिस इंस्पेक्टर राकेश कुमार यादव की सुपुत्री हैं। उनकी मां का देहांत बचपन में ही हो गया था, इसके बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत और सेल्फ स्टडी से यह मुकाम हासिल किया। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि पर सुरभि यादव को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शाल ओढ़ाकर और बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे अमरोहा जिले और उत्तर प्रदेश के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनी है। गांव में

खुशी की लहर दौड़ गई, जहां ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया।सुरभि की यह उपलब्धि लाखों युवाओं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों के लिए संदेश है कि लगन, धैर्य और मेहनत से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। चौथे प्रयास में उन्होंने बिना किसी कोचिंग के यह रैंक प्राप्त की, जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दशार्ता है। अब वे लंबे समय से चली आ रही तैयारी के बाद लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन एकादमी में प्रशिक्षण के लिए तैयार हैं।

अमरोहा जिला प्रशासन और स्थानीय लोग उनकी इस सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सुरभि यादव की कहानी समाज में शिक्षा और संघर्ष की मिसाल बन गई है। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ, यह उपलब्धि देश की सिविल सेवा में नई ऊर्जा का संचार करेगी।

डीएम ने दिव्यांगजनों को नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल कि वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अमरोहा एवं जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन, गजरौला के संयुक्त तत्वाधान में मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल योजनान्तर्गत निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल दिव्यांगजनों के जीवन में आए ठहराव को दूर करेगी और अब वह भी आसानी से घूम-फिर सकेंगे। इससे न केवल उनकी जीवनशैली बदलेगी बल्कि वह स्वरोजगार को बढ़ावा भी दे सकेंगे। उन्होंने इस पुनीत कार्य में सहयोग करने के लिए जुबिलेंट प्रबंधन की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम

में जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के आफीसर्स क्लब में मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल योजना के तहत जिला दिव्यांगजन कार्यालय में पंजीकृत एक महिला समेत पांच पात्रों को डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा के संग इनका वितरण किया। इन्हें पाकर पात्रों के चेहरे खिल उठे। डीएम ने सभी से बातचीत भी की। उनका कहना था कि वे सभी कामगार हैं और अब उनके जीवन में बदलाव भी आएगा। डीएम ने हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। इससे पूर्व जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित में मुख्य अतिथि डीएम निधि गुप्ता वत्स एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जुबिलेंट शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, पर्यावरण एवं जल संरक्षण आदि सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती है। जेबीएफ में कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव ने बताया कि प्रशासन ने कुल दस मोटराइज्ड ट्राईसाईकिलें खरीदी थीं। इनका भुगतान जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने किया था। इनमें से पांच का वितरण हाल ही में प्रभारी मंत्री केपी मलिक जी ने अमरोहा में किया था। इस मौके पर एसडीएम धनौरा विभा श्रीवास्तव, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शिखा शर्मा, समाजसेविका हितेष चौधरी, जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, डा. सुजिंदर फोगाट, डा. मधु चतुर्वेदी, ऋषिपाल सिंह, राम सिंह बौद्ध, कृपाल सिंह, सुमेधा शर्मा, चंदन सिंह, नवनीत सिंह, जॉनी, बूंदी सिंह, राहुल, आशु आदि भी मौजूद रहे।

4 हिंदी दैनिक सब का सपना

सम्भल

अमरोहा
मंगलवार 10 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

सम्भल में सुरक्षा जवान के पदों पर भर्ती हेतु रोजगार मेले का आयोजन

सम्भल (सब का सपना):- एस०एस०सी०आई० (एस०आई०एस०) सिक्योरिटी कम्पनी, देहरादून तथा जिला सेवायोजन कार्यालय सम्भल के संयुक्त तत्वाधान में जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में सुरक्षा जवान के 300 पदों पर भर्ती के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा जवान पद के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम लंबाई 168 सेमी होनी चाहिए। इसके साथ ही अभ्यर्थी का वजन 56 से 90 किलोग्राम के बीच होना अनिवार्य है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 14,000 से 32,000 रुपये तक वेतन प्रदान किया जाएगा। एक माह के प्रशिक्षण के उपरांत नियुक्ति दी जाएगी। चयनित सुरक्षा जवानों को 350 रुपये का प्रोस्पेक्टस शुल्क जमा करना होगा। इस पद के लिए केवल पुरुष अभ्यर्थी ही पात्र होंगे। चयन के बाद प्रशिक्षण के समय अभ्यर्थी को एस०आई०एस० इंडिया लिमिटेड, देहरादून में 10,500 रुपये जमा कराने होंगे। इस धनराशि में 45 दिन का प्रशिक्षण तथा दो जोड़ी जूते, वर्दी, कैप आदि सामग्री प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की जाती है कि वे चयन से पूर्व सेवायोजन विभाग के पोर्टल sewayojan.up.nic.in एवं rojgaarsangam.up.gov.in पर अपना पंजीकरण अवश्य करा लें और लॉग-इन करके रोजगार शिविर में प्रतिभाग करने के लिए आवेदन करें। अभ्यर्थी अपने साथ सभी शैक्षिक प्रमाणपत्रों की छायाप्रति, आधार कार्ड की प्रति तथा पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लेकर आएं। रोजगार मेले का आयोजन जनपद के विभिन्न विकास खण्ड सभागारों में निर्धारित तिथियों पर प्रातः 10:30 बजे से सायं 3:00 बजे तक किया जाएगा। गुन्नौर में 10 व 11 मार्च, जुनावई में 12 मार्च, बनियाखेड़ा में 16 व 17 मार्च, रजपुरा में 18 व 19 मार्च, असमौली में 20 मार्च, पंवासा में 24 व 25 मार्च तथा सम्भल विकास खण्ड में 27 व 28 मार्च को रोजगार मेले आयोजित होंगे। अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइल नंबर 7830225134 तथा सेवायोजन विभाग के मोबाइल नंबर 7906026603 पर संपर्क किया जा सकता है।

बीमार युवक के नाम पर ट्रैक्टर और बाइक निकलवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना बहजोई पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 2 मार्च को चन्द्रसैन पुत्र चेतराम निवासी ग्राम बहरौली ताहरपुर थाना बहजोई ने थाना बहजोई में तहरीर देकर बताया था कि लगभग दो वर्ष पूर्व उसके बेटे दिनेश, जो गंभीर बीमारी से ग्रस्त था, के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए एक व्यक्ति ने दिनेश का आधार कार्ड और पासबुक लेकर बीमा कराते हुए सोनालिका ट्रैक्टर और एक मोटरसाइकिल निकलवा ली थी। पीड़ित के अनुसार बेटे दिनेश की मृत्यु के बाद परिवार को इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई, जिसके आधार पर थाना बहजोई में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले की जांच के दौरान थाना बहजोई पुलिस टीम ने प्रकाश में आए आरोपी मुकेश पुत्र मुरलीधर उर्फ बलधारी (35) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय चन्दौसी के समक्ष पेश किया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एसडीएम निधि पटेल सम्मानित

समाजसेवियों ने फूल-माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मान

संभल (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाजसेवी दीपा बाष्णेय और समाजसेवी नवरत्न बाष्णेय ने संभल की नई एसडीएम निधि पटेल को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें फूल-माला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया। समाजसेवियों ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, अधिकार और उनकी उपलब्धियों को याद करने का विशेष दिन है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक क्षेत्र सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, जो समाज के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश है। एसडीएम निधि पटेल ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना बेहद आवश्यक है।
उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी को मिलकर उनके सम्मान और अधिकारों के लिए कार्य करना चाहिए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी महिला सशक्तिकरण को लेकर अपने विचार व्यक्त किए और महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प लिया।

विद्यालय की छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा व योग प्रशिक्षण

सम्भल(सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत सोमवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सम्भल कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय गुन्नौर, पूर्व प्राथमिक विद्यालय पतरौआ व उच्च प्राथमिक विद्यालय पथरा की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, साथ जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला भी कर सकें, ताइक्वांडो प्रशिक्षक सुरेश कुमार व महिला खिलाड़ी ब्लैक बैल्ट होल्डर रेखा, पूर्वी ने सभी बालिकाओं को फ्रंट किक, फ्रें जंप किक, बैक किक एल्बो अटैक, फिंगर अटैक का अभ्यास कराया। ग्रामीण अंचल की बालिकाएं पूरी लगन से मार्शल आर्ट सीख रही हैं। साथ ही विद्यालय के पीटीआई शिक्षकों को भी अभ्यास कराया जा रहा है ताकि कैंप के बाद भी बालिकाओं को निरंतर अभ्यास कराया जा सके। ताइक्वांडो कोच ब्लैक बैल्ट धारक रेखा ने बताया कि हर बालिका को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग लेनी चाहिए। जिससे आत्मरक्षा के गुर के साथ साथ बालिकाएं मानसिक रूप से भी मजबूत होती हैं। ग्रामवासियों ने भी सरकार की इस योजना की तारीफ की।

छात्राओ को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार और महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजना यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, गुड़ टच एवं बैड टच, बाल विवाह के दुष्परिणाम, बसल श्रम के दुष्प्रभावों आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एक वर्ष से भुगतान लंबित, मनरेगा कर्मियों ने जताई नाराजगी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर ब्लॉक कार्यालय परिसर में सोमवार को मनरेगा से जुड़े कर्मचारियों ने लंबे समय से मानदेय का भुगतान न होने पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर एडीओ आईएसबी अजयपाल सिंह के माध्यम से जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा और लंबित भुगतान जल्द कराने की मांग की। ज्ञापन में मनरेगा कर्मियों ने बताया कि जनपद में कार्यरत रोजगार सेवक, कंप्यूटर ऑपरेटर, तकनीकी सहायक और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी शासन के निदेर्शों के अनुसार लगातार योजनाओं का संचालन कर रहे हैं और अपने दायित्वों का नियमित रूप से निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद करीब एक वर्ष से उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से भुगतान न मिलने के कारण उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। बढ़ती महंगाई के दौर में घर-परिवार का खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि लगातार कार्य करने के बावजूद समय पर मानदेय न मिलना कर्मचारियों के मनोबल को भी प्रभावित कर रहा है। मनरेगा कर्मियों ने यह भी बताया कि इस समस्या के संबंध में पूर्व में कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान कराया जाए, ताकि कर्मचारियों को राहत मिल सके। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।
इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष जबर अहमद, रोजगार सेवक अशोक कुमार, पवन कुमार, गोविंद, प्रमोद कुमार, बिशनलाल, राकेश कुमार, राजेंद्र सिंह, देवराज सिंह, प्रदीप कुमार, अरुण कुमार, मुनेंद्र सिंह, श्रवण कुमार और सुषमा शर्मा सहित कई मनरेगा कर्मी मौजूद रहे।

हड्डी-सींग शिल्प को नई पहचान दिलाने के लिए लाभार्थियों को किया गया प्रशिक्षित

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी ह्यएक जनपद-एक उत्पाद (ODOP) योजना के अंतर्गत संभल के पारंपरिक हड्डी-सींग हस्तशिल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। नगर के तेल मंडी स्थित फरोही रिजॉर्ट में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के उपायुक्त मुकेश कुमार रहे। समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त मुकेश कुमार ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी 300 लाभार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि संभल का हड्डी और सींग शिल्प पूरी दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने युवाओं को सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं, सब्सिडी और आधुनिक टूलकिट के बारे में जानकारी देते हुए स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यशाला के प्रभारी जुनैद असलम ने 10 दिनों तक चली प्रशिक्षण व्यवस्था और उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान संभल वुमन एसोसिएशन की अध्यक्ष शाजिया खान ने लाभार्थियों को शिल्प की तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने सरल और प्रभावी तरीके से बताया कि किस प्रकार बारीक नक्काशी और मेहनत के जरिए साधारण वस्तु को आकर्षक और बेशकीमती कलाकृति में बदला जा सकता है। पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में संभल वुमन एसोसिएशन की टीम का विशेष सहयोग रहा।
समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में संभल कोतवाली की सब-इंस्पेक्टर राखी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में संदीप, आशीष शुक्ला, सराय तरीन के हाकिम जी सहित विभाग के अन्य कर्मचारी और क्षेत्र के नागरिक भी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर प्रसिद्ध हस्तशिल्प निर्यातक कमल कौशल ने लाभार्थियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने और फिनिशिंग बेहतर बनाने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी की बैठक में महिला दिवस व होली महोत्सव मनाया

महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी रजिस्टर्ड उत्तर प्रदेश की एक बैठक सोमवार को आयोजित की गई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला दिवस एवं होली महोत्सव भी उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सोसाइटी की ग्रुप अध्यक्ष डॉ. नीलम वार्ष्णेय ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और हर कार्य में आगे बढ़कर कदम बढ़ाने चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और आज हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी मेहनत और प्रतिभा से आगे बढ़ रही हैं। महिला दिवस के अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर प्रतिभा अग्रवाल, इंदु अग्रवाल, रूबी वार्ष्णेय, सीमा अग्रवाल, मीना वार्ष्णेय, अंजू गुप्ता, अंजू अग्रवाल, आशा गोस्वामी, निधि अग्रवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

बारह वर्षीय अलजिहान ने रखा पहला रोजा मुल्क में अमन-तरक्की की मांगी दुआ

सम्भल(सब का सपना):- रमजान के पाक महीने में जहां बड़े लोग इबादत में मशगूल हैं, वहीं बच्चों का जज्बा भी कम नहीं दिख रहा है। बरखरियानं निवासी 12 वर्षीय मो. अलजिहान खान ने अपने जीवन का पहला रोजा रखकर परिवार और क्षेत्रवासियों को खुशी का मौका दिया। मो. अलजिहान खान, गुफरान खान के पुत्र हैं। उन्होंने अपने माता-पिता और आसपास के लोगों को रमजान के मुकद्दस महीने में रोजा रखते और इबादत करते देखकर खुद भी रोजा रखने का फैसला किया। दिनभर भूखे-प्यासे रहकर अलजिहान ने अल्लाह की इबादत की और देश-दुनिया में अमन, शांति और तरक्की के लिए दुआ मांगी। अलजिहान के रोजा इफ्तार के मौके पर समाजसेवी नाज़िर खान पहुंचे और बच्चे को दुआएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे का पहला रोजा उसके परिवार और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण होता है। उन्होंने कहा कि रोजा केवल भूख-प्यास सहने का नाम नहीं है, बल्कि यह इंसान को संयम, धैर्य और दूसरों के लिए भलाई की दुआ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बच्चों में धार्मिक शिक्षा और आध्यात्मिक अभ्यास के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि छोटी उम्र से ही बच्चों को संयम, धर्म और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर जिला टैक्स बार के अध्यक्ष अकरम खान, मुशफिक हुसैन, शहजमा, तय्यब खान, आगा खान, खालिद एडवोकेट, मास्टर रिजवान हुसैन, एहजाज खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अलजिहान का पहला रोजा पूरे परिवार और समुदाय के लिए प्रेरणादायक बना।

मटर फैक्ट्री में गैस रिसाव के बाद जांच करने पहुंचे संबंधित अधिकारी व एसडीएम

पोल्यूशन विभाग,फायर एवं सेफ्टी,लेबर कोर्ट अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर रहे मौजूद

धनौरा/अमरोहा काविंद्र सिंह (सब का सपना):- जनपद के धनौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव चुचैला कलां स्थित मटर फैक्ट्री में रविवार की शाम अचानक हुए गैस रिसाव से फैक्ट्री प्रबंधन में भगदड़ मच गई थी जिसमें लगभग आधा दर्जन मजदूरों के बेहोश होने की सूचना भी प्राप्त हुई थी। इसके चलते बेहोश हुए लोगों को निजी डॉक्टर के पास भी भर्ती कराया गया था जिन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद घर भेज दिया गया था। इस घटना के बाद सूचना मिलने पर एसडीएम विभा श्रीवास्तव एवं तहसीलदार मूसाराम भी मौके पर जांच के लिए पहुंचे थे। जांच में स्थिति सामान्य पाई गई ,इसी के चलते सोमवार की दोपहर भी घटना की सूचना मिलने पर कई विभागों के संबंधित अधिकारी एसडीएम विभा श्रीवास्तव एवं तहसीलदार मूसाराम के साथ फैक्ट्री परिसर में पहुंचे। जिसमें पॉल्यूशन विभाग, फायर एवं सेफ्टी अधिकारी,लेबर कोर्ट अधिकारी सहित अन्य कई अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मौके पर मौजूद सभी विभागों के अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर में मानक के अनुसार वहां लगी मशीनों, गैस पाइप लाइनों, गैस टैंकों आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने प्रबंधन के द्वारा चलाई जा रही मटर फैक्ट्री के सभी दस्तावेजों का मानक के अनुसार बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बारे में जानकारी देते हुए उपजिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार की शाम को यहां पर अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था जिसकी जांच हेतु आज यहां पर संबंधित विभागों के अधिकारी हमारे साथ आए हैं सभी ने मानक के अनुसार अपने-अपने कार्य दायित्व का निर्वहन करते हुए अपने विभाग से संबंधित चीजों का बारीकी से निरीक्षण किया है। इस जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे वह मीडिया के सामने साझा किए जाएंगे।

आईए जानते हैं फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव होना फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही या अनदेखी

इस घटना के बाद जब सबका सपना की टीम ग्राउंड जीरो पर इसकी तहकीकात करने के लिए पहुंची तो पाया गया कि फैक्ट्री प्रबंधन के द्वारा लेबर की सेफ्टी के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा काम करने वाली लेबर के लिए ना ही कोई सेफ्टी बेल्ट ना,ना सेफ्टी शूज यहां तक की जिस एरिया में इनके अमोनिया के टैंक रखे हुए हैं उस एरिया में भी लोग बिना ग्लिप्स ,मास्क और बिना सेफ्टी ड्रेस के ही घूमते पाए गए। उदाहरण के लिए आप इन तस्वीरों में खुद ही देख सकते हैं कि किस तरह से फैक्ट्री परिसर में एक स्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है और उसके नीचे लेबर के लोग बिना हेलमेट और बिना सेफ्टी बेल्ट के काम करते नजर आ रहे हैं, इस बारे में जब फैक्ट्री के मैनेजर हर्ष शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने कहा कि फैक्ट्री में लेबर के लिए सेफ्टी के सभी इंतजाम किए गए हैं लेकिन काम करने वाले मजदूर इसका इस्तेमाल ही नहीं करते हैं अब यहां पर सवाल यह उठता है कि क्या फैक्ट्री प्रबंधन के नियम एवं कानून इतने कमजोर हैं कि फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर अपनी जान से जानबूझकर ही खिलवाड़ करते हैं और फैक्ट्री प्रबंधन के नियम और कानून का उन पर कोई असर नहीं पड़ता है जबकि इस फैक्ट्री के पिछले रिकॉर्ड को उठाकर देखा जाए तो उसमें यह भी दर्ज किया गया है कि अब से करीब 6 माह पहले इसी मटर फैक्ट्री में चुचैला कलां निवासी एक मजदूर इरफान की मौत हो गई थी इसमें बताया गया था कि काम करने के दौरान उसकी छत से गिरने के कारण जान गई थी हालांकि उसकी मौत के बाद दोनों पक्षों में समझौता होने के कारण इस मामले में कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की गई थी। इस घटना के 6 महीने बाद अब यहां इस फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव की घटना हुई है।

इस पर संबंधित अधिकारियों ने जांच करने का आश्वासन देते हुए पलड़ा झाड़ लिया है जबकि बताया जाता है कि अमोनिया गैस एक ऐसी जहरीली गैस है जिसके रिसाव के बाद यदि उसे पर कंट्रोल नहीं किया गया तो वह अपार जनहानि को भी न्योता दे सकती है। अब देखना यह है कि जांच करने आए संबंधित अधिकारी इस मामले में किस हद तक कार्यवाही करते हैं।

sab ka sapna 10 March 2026:Layout 1 09-03-2026 21:34 Page 5

किरतपुर क्षेत्र में शोकसभा, सय्यद अयातुल्लाह खामेनेई की शहादत पर लोगों ने जताया दुख

सांसद चंद्रशेखर आजाद भी हुए शामिल, सभी धर्मों के लोगों ने दी श्रद्धांजलि

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना किरतपुर क्षेत्र के गांव भनेड़ा सादात में सय्यद अयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अहले सुन्नत और शिया समुदाय के लोगों के साथ-साथ विभिन्न धर्मों के नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर शोक व्यक्त किया और शांति व भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर नगीना से सांसद और चंद्रशेखर आजाद भी अपने कार्यकताओं के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व स्तर पर प्रभाव रखने वाले धार्मिक और राजनीतिक नेताओं की शहादत मानवता के लिए एक बड़ी क्षति होती है। हम सबको इंसाफ, भाईचारे और मानवता के रास्ते पर चलना चाहिए। ऐसे महान नेताओं की शहादत हमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देती है। मालूम हो कि अयातुल्लाह अली खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता रहे और 1989 से 2026 तक देश के सबसे शक्तिशाली पद पर रहे। कार्यक्रम में मौलाना मौलाना हामिद ने भी संबोधित करते हुए कहा कि महान व्यक्तित्वों की कुबार्नी इंसानियत और न्याय के लिए प्रेरणा देती है।अयातुल्लाह खामेनेई जैसे व्यक्तित्व पूरी उम्मत के लिए प्रेरणा हैं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में शांति और एकता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की। शोकसभा के दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए दुआ की और विश्व में अमन-चैन की कामना की।

दिनदहाड़े गुलदार के हमले से इलाके में सनसनी

बिजनौर (सब का सपना):- अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मुरलीवाला में दिनदहाड़े खेत पर काम कर रहे एक किसान पर गुलदार ने हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से इलाके में सनसनी फैल गई। घायल किसान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। बताया जाता है कि गांव मुरलीवाला निवासी किसान ओमप्रकाश अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया। गुलदार को सामने देखकर किसान घबरा गया और जान बचाने के लिए पास खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चढ़ गया। इस दौरान गुलदार के हमले से किसान घायल भी हो गया, लेकिन उसने किसी तरह ट्रॉली पर चढ़कर अपनी जान बचा ली। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके की ओर दौड़ पड़े। लोगों के शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घायल किसान को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। दिनदहाड़े हुए इस हमले से गांव और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अक्सर गुलदार देखे जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिससे खेतों में काम करने वाले किसानों और ग्रामीणों को खतरा बना रहता है।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई जाएगी।

बिजनौर में जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, अधिकारियों को दिए निर्देश

अप्रैल से शुरू होगा मकान सूचीकरण, फरवरी 2027 में होगी जनसंख्या गणना

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के सफल संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था और डिजिटल माध्यम से कार्यान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि जनगणना-2027 एक राष्ट्रव्यापी महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे इस बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संपन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस जनगणना में पहली बार जाति आधारित गणना को भी शामिल किया गया है, इसलिए कार्य में विशेष सतर्कता और सटीकता अनिवार्य है। उन्होंने जानकारी दी कि जनगणना के लिए मास्टर ट्रेनर्स का चयन और उनकी नियुक्ति की जा चुकी है। इसके साथ ही सीएमएमएस पोर्टल पर जिला एवं चार्ज स्तर के लिए यूजर आईडी बनाए जाने का कार्य पूरा हो चुका है तथा फील्ड ट्रेनर्स के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया भी संपन्न हो गई है। फिलहाल फील्ड ट्रेनर्स के लिए यूजर आईडी तैयार करने और प्रशिक्षण बैच बनाने का कार्य प्रगति पर है, जिसे 15 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मकान सूचीकरण और मकान गणना के लिए निर्धारित समयसीमा के अनुसार सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में बताया गया कि जनगणना-2027 दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और हाउसिंग जनगणना अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच विभिन्न राज्यों में निर्धारित समयानुसार कराई जाएगी। दूसरे चरण में जनसंख्या की वास्तविक गणना फरवरी 2027 में की जाएगी। इस बार प्रगणक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा एकत्र करेंगे और सीएमएमएस पोर्टल के जरिए रियल-टाइम निगरानी की जाएगी। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों के कार्मिकों की सूची उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें जनगणना कार्य में नामित किया जा सके। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि विभाग में कार्यरत पंचायत सहायकों, सफाई कर्मियों और रोजगार सेवकों में से मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर संचालन का ज्ञान रखने वाले कर्मियों की सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के चयन के बाद सभी कर्मियों को डिजिटल उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा आम नागरिकों के लिए भी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना दर्ज करने का विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा और कुणाल रस्तोगी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बिजनौर में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, एक दर्जन निर्माण ध्वस्त

बिजनौर (सब का सपना):- नगर में सोमवार को प्रशासन ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक दर्जन अवैध कॉलोनियों और निमार्णों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई प्रशासन की ओर से बिना लेआउट पास कराए विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ की गई। प्रशासनिक टीम का नेतृत्व एसडीएम ऋतु रानी और तहसीलदार आशीष सक्सेना ने किया। कार्रवाई के दौरान तहसील सदर के कर्मचारी, संबंधित हलकों के लेखपाल और अन्य राजस्व कर्मी भी मौके पर मौजूद रहे। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कुसवा बिजनौर, शाहबाजपुर खाना और फतेहपुर नोआबाद समेत कई स्थानों पर गाटा नंबरों में बिना लेआउट पास कराए विकसित की गई अवैध कॉलोनियों को चिन्हित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इन कॉलोनियों में कई लोगों के नाम दर्ज थे, जिनके प्लॉटों पर अवैध रूप से निर्माण कराया जा रहा था। प्रशासन ने सरधनी रोड, कांभोर रोड, वाटर पार्क फेरी बेल के पीछे, जोधू वाला रोड सहित कई स्थानों पर विकसित हो रही कॉलोनियों पर भी बुलडोजर चलाया। कार्रवाई के दौरान तालिब, खालिद और रामदर्शन समेत कई लोगों से जुड़े निमार्णों को भी ध्वस्त किया गया। प्रशासन की यह कार्रवाई सुबह शुरू होकर शाम करीब 6:20 बजे तक चली। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना मानचित्र और लेआउट पास कराए कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई से अवैध कॉलोनी संचालकों में हड़कंप मच गया, जबकि प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि प्लॉट खरीदने से पहले कॉलोनी के वैध दस्तावेज और लेआउट की जांच अवश्य करें।

शादी में जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना रोड पर प्लाईवुड फैक्ट्री के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र के पिलखनी गांव निवासी 35 वर्षीय पिंटू पुत्र सुरेंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पिंटू अपने साथी अभिषेक के साथ मोटरसाइकिल से धोकलपुर गांव में अपनी मौसी के बेटे की शादी में शामिल होने जा रहा था। जानकारी के अनुसार जब दोनों युवक नगीना रोड स्थित प्लाईवुड फैक्ट्री के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार और ओवरलोड लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिंटू गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं उसका साथी अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल अभिषेक को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। युवक की मौत की खबर जैसे ही उसके गांव और परिवार तक पहुंची, वहां मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जल जीवन मिशन के तहत वर्कर्स को दिए गए सुरक्षा नियमों के संदेश

बिजनौर (सब का सपना):- 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत विद्या टेलीलिंक लिमिटेड, नजीबाबाद की ओर से नगर क्षेत्र में सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों और कर्मचारियों को उन्नत सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सुरक्षा नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना रहा। रैली के दौरान परियोजना से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा उपकरणों के उपयोग, सावधानी बरतने और नियमों का पालन करने के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी कार्य को करते समय सुरक्षा नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शाने अब्बास तथा प्रबंधक कौशल सिंह, विवेक कुमार, नितीश कुमार और सुनील कुमार ने वर्कर्स को सुरक्षा नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सुरक्षा नियमों का पालन करने वाले श्रमिकों को चॉकलेट देकर प्रोत्साहित भी किया। साथ ही सुरक्षा नियमों की अनदेखी से होने वाले दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला और सभी से सुरक्षा को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल बनाए रखने के लिए प्रत्येक कर्मचारी और श्रमिक की जिम्मेदारी है कि वह सुरक्षा मानकों का पालन करे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्या टेलीलिंक नजीबाबाद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे लगाए गए और सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की गई।

स्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुले पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन सोमवार से शुरू

नई दिल्ली (सब का सपना):- स्त्री शिक्षा और सामाजिक न्याय की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की स्मृति को समर्पित तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन स्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुले का आयोजन सोमवार से 11 मार्च 2026 तक के आयोजन के पहले दिन का आयोजन सृजन साहित्य संवाद द्वारा किया जा गया। सम्मेलन में देशभर के साहित्यकार, कवि और चिंतक सावित्रीबाई फुले के विचारों, स्त्री मुक्ति के प्रश्नों और समकालीन सामाजिक सरोकारों पर चर्चा की।

सम्मेलन के पहले सोमवार को शाम 7 बजे सावित्रीबाई फुले की स्मृति में काव्य पाठ का आयोजन किया गया। इस सत्र में, प्रसिद्ध साहित्यकार कावेरी बिहार से , गुजरात से कुसुम डाबी , झारखंड से वंदना टेटे , उड़ीसा से ज्योत्स्ना किट्टी भोई और पंजाब से सूक्ष्म कयाला अपनी कविताओं का पाठ करेंगी और अध्यक्षता महाराष्ट्र की प्रख्यात साहित्यकार व प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता आशालता काम्बले ने की। कार्यक्रम की संयोजिका अनिता भारती के अनुसार इस सम्मेलन का उद्देश्य सावित्रीबाई फुले के शिक्षा, समानता और स्त्री अधिकारों के विचारों को समकालीन संदर्भ में समझना और व्यापक समाज तक पहुँचाना है। सम्मेलन ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया तथा फेसबुक पर लाइव रहा। जिसमें देशभर से साहित्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी महिलाओ ने भाग लिया।

पुलिस अभियान में हथियार तस्करी गिरोह का पदार्फाश

हत्या कांड की जांच में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई अवैध तमंचे, पिस्टल, जिंदा कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। यह कार्रवाई हाल ही में नगीना क्षेत्र में हुई एक हत्या की जांच के दौरान सामने आई जानकारी के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार 5 मार्च को नगीना क्षेत्र में शिवालय हेल्थ केयर सेंटर के डॉ. राजकुमार की हत्या के मामले में गिरफ्तार शूटर छोटू उर्फ विकास ने पूछताछ में बताया था कि हत्या में इस्तेमाल किया गया तमंचा उसने आर्यन उर्फ राजन निवासी धामपुर से लिया था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने अवैध हथियारों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत थाना नूरपुर, धामपुर और स्योहारा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि अमरोहा जिले के नौगावा सादात निवासी अमीरुद्दीन उर्फ आरिफ अपने घर पर अवैध हथियार बनाने और उनकी मरम्मत का काम करता था। वह अपने सहयोगियों के माध्यम से बिजनौर और आसपास के क्षेत्रों में तमंचे और पिस्टल की सप्लाई करता था। थाना नूरपुर पुलिस ने रविवार को वाहन चेकिंग के दौरान फतियाबाद रोड स्थित सेंट मैरी स्कूल के पास दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें ललित कुमार निवासी तंगरौला और सीवान्त निवासी हसुपुरा के पास से दो-दो अवैध तमंचे 315 बोर बरामद हुए। वहीं अमीरुद्दीन उर्फ आरिफ के पास से तीन तमंचे 315 बोर, एक तमंचा 12 बोर और हथियार बनाने व मरम्मत के उपकरण बरामद किए गए। इसके अलावा थाना धामपुर पुलिस ने सोमवार को दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। विनीत कुमार निवासी जैतरा के पास से एक तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ, जबकि शमीम उर्फ माइकल निवासी उमरी कला के पास से एक अवैध पिस्टल, दो तमंचे 315 बोर और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आर्थिक लाभ के लिए अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और आपूर्ति का काम करते थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश भी कर रही है।

2020 दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को 10 दिन की अंतरिम जमानत, भाई की शादी और मां की सेहत को देख सुनाया फैसला

पूर्वी दिल्ली। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे की साजिश रचने के मामले में आरोपित शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने यह राहत उन्हें अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए दी है। अदालत ने कहा कि यह जमानत सीमित अवधि के लिए पारिवारिक कारणों के आधार पर दी जा रही है। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद शरजील इमाम को दोबारा आत्मसमर्पण करना होगा। गौरतलब है कि शरजील इमाम वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े कथित साजिश मामले में आरोपित हैं। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा की जा रही है। फरवरी 2020 में हुए इन दंगों में 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे और संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। अदालत के आदेश के अनुसार जमानत अवधि खत्म होने के बाद उन्हें फिर से जेल में लौटना होगा।

मानसून से पहले पीडब्ल्यूडी अलर्ट, दिल्ली में 2100 किमी नालों की सफाई और मरम्मत का आदेश; लापरवाही पर होगा एक्शन

नई दिल्ली। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को देखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नालों की सफाई के लिए अभी से निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग प्रमुख ने उन एजेंसियों को तैयारी शुरू करने को कहा है, जिन्हें पिछले वर्ष दो साल के लिए नालों की सफाई का काम दिया गया था। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी हाल ही में विभाग प्रमुख स्तर पर हुई बैठक में अधिकारियों को सरकार की उस चेतावनी से भी अवगत कराया गया, जिसमें लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की बात कही गई है। विभाग ने नालों की सफाई और जहां जरूरत हो वहां मरम्मत कार्य भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए हैं। कई वर्षों से बनी हुई है जलभराव की समस्या दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या पिछले कई वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। इस दौरान अलग-अलग सरकारें बदलती रहीं और जलभराव रोकने के दावे भी किए जाते रहे। ड्रेनेज मास्टर प्लान पर काम शुरू फिलहाल दिल्ली की भाजपा सरकार ने ड्रेनेज मास्टर प्लान लागू किया है। हालांकि इस योजना पर पूरी तरह अमल होने में समय लगने की संभावना है। इस योजना में लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और दिल्ली छावनी बोर्ड सहित कई एजेंसियों को शामिल किया गया है। ये एजेंसियां अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में नालों का पुनर्निर्माण करेंगी। इसके लिए लगभग 57,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। 2100 किलोमीटर से अधिक नालों की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी के पास दिल्ली में 2100 किलोमीटर से अधिक नाले हैं, जो मुख्य सड़कों के किनारे स्थित हैं। बरसात के दौरान सड़कों पर जमा होने वाला पानी इन्हीं नालों के माध्यम से बड़े नालों में पहुंचता है। मानसून से पहले पूरी की जाएगी सफाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष जिन कंपनियों को टेंडर दिया गया था, उनका कार्यकाल दो वर्षों के लिए है। उन्हीं कंपनियों को अभी से तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मानसून से पहले नालों की अच्छी तरह सफाई की जा सके और जहां-जहां मरम्मत की जरूरत है, वहां काम पूरा किया जा सके। विभाग का प्रयास है कि जब तक ड्रेनेज मास्टर प्लान पूरी तरह लागू नहीं हो जाता, तब तक अस्थायी उपायों के जरिए दिल्ली को जलभराव की समस्या से राहत दिलाई जा सके।

दिल्ली में नॉर्थ-ईस्ट की छात्राओं से बदसलूकी, नस्लीय कमेंट के बाद मारपीट; पुलिस ने चार नाबालिगों को दबोचा

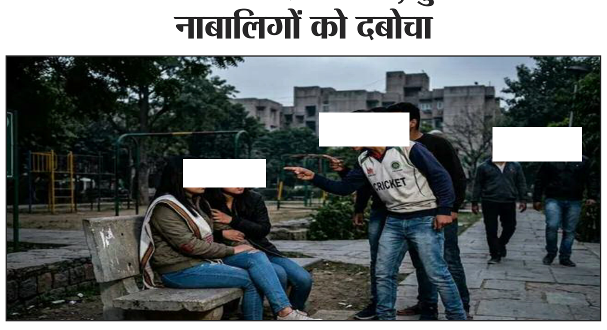

दक्षिणी दिल्ली। साकेत कोर्ट के पास एक पार्क में मणिपुर की दो छात्राओं पर नस्लीय टिप्पणी व उनके साथ मारपीट मामले में पुलिस ने एक्शन लेते हुए चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। सभी आरोपी नाबालिगों हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही थी। एक पखवाड़े के भीतर मालवीय नगर थाना क्षेत्र में ही नार्थ ईस्ट की छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार का यह दूसरा मामला था। घटना में एक छात्रा घायल हुई थी। पीड़िताओं के बयान पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर आरोपितों की धरपकड़ की कार्रवाई शुरू की थी। क्या है मामला दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के मुताबिक रविवार शाम के समय साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कांप्लेक्स स्थित एक पार्क में मणिपुर की एक लड़की अपनी दोस्त के साथ टहल रही थी। तभी कुछ अराजक तत्वों ने उन पर कुछ कमेंट्स किए। जब लड़कियों में से एक ने कमेंट्स पर एतराज किया तो दोनों पक्षों में बहस होने लगी। आरोप है कि युवकों ने इस दौरान छात्रा पर हमला कर दिया था।

अशोक विहार में 10 लाख की कोकीन के साथ ड्रग तस्कर गिरफ्तार, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में फैला था नेटवर्क

बाहरी दिल्ली। अशोक विहार इलाके में कोकेन सप्लाई करने आए एक युवक को उत्तर पश्चिम जिला स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अभिषेक अस्थाना के रूप में हुई है। इसके कब्जे से पुलिस ने 11 ग्राम कोकेन और एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर पूरे सिंडिकेट और इससे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि जिले की एसटीएफ की टीम लगातार ड्रग तस्करों पर निगरानी रख रही थी। पुलिस टीम ने मुखबिरों को इलाके में सक्रिय किया। निरीक्षक संदीप यादव को एक सप्लायर के अशोक विहार इलाके में ड्रग्स सप्लाई में सक्रिय होने की जानकारी मिली। टीम गठित कर पुलिस ने सप्लायर पर निगरानी शुरू की। मार्च को पुलिस टीम ने स्कूटी से आए विजय विहार फेज-1 रोहिणी निवासी अभिषेक अस्थाना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 11 ग्राम कोकेन तथा एक स्कूटी बरामद कर ली। बरामद कोकीन की कीमत 10 लाख रुपये आंकी गई है। शुरूआती जांच में पता चला कि आरोपी अभिषेक अस्थाना ड्रग सिंडिकेट संचालित करने में संलिप्त था तथा हाल ही में उसने उत्तर-पश्चिम जिले में ड्रग तस्करी नेटवर्क को बढ़ाया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिषेक अस्थाना पहली बार पुलिस गिरफ्त में आया है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ से बचाव की तैयारी, रिंग रोड के किनारे बनेगी 4.7 किमी लंबी दीवार

नई दिल्ली। मानसून के दिनों में यमुना का जलस्तर बढ़ने से कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी पहुंचने का खतरा रहता है। वर्ष 2023 में बाढ़ आने से आइटीओ और सिविल लाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पानी भर गया था। कई दिनों तक जनजीवन अस्तव्यस्त रहा था। इसी तरह से पिछले वर्ष भी मजनू का टीला व बेला रोड क्षेत्र में रहने वालों को कई दिनों तक परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसके समाधान के लिए मजनू का टीला से लेकर कश्मीरी गेट के नजदीक लोहा पुल तक रिंग रोड के किनारे बाढ़ रोधी दीवार

बनाने का निर्णय लिया गया है। बाढ़ नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदम दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि बाढ़ नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस कारण पिछले वर्ष यमुना का जलस्तर 207.88 मीटर तक पहुंचने के बाद भी अधिक समस्या नहीं हुई थी। नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद परेशानी

दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के खतरे को देखते हुए मजनू का टीला से लोहा पुल तक रिंग रोड पर एक बाढ़ रोधी दीवार बनाई जाएगी। 50 करोड़ की लागत से बनने वाली यह 4.72 किलोमीटर लंबी दीवार आईटीओ और सिविल लाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बाढ़ से बचाएगी।

न हो इसे ध्यान में रखकर दीवार बनाने का निर्णय लिया गया है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 50 करोड़ रुपये की लागत से दीवार का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए निविदा जारी कर दी गई है। दीवार की ऊंचाई लगभग 4.72 किलोमीटर होगी। इसमें से लगभग 850 मीटर अधिक संवेदनशील क्षेत्र में कंक्रीट की दीवार बनेगी। शेष हिस्से में ईंट या पत्थर की होगी। इसकी ऊंचाई लगभग छह फीट होगी। इस दीवार के बनने से यमुना का पानी रिंग रोड व इसके पास के आवासीय क्षेत्र व बाजार में नहीं पहुंचेगा। बिना पान छोड़ेभी बढ़ जाता है जलस्तर उल्लेखनीय है कि यमुना की तलहटी में जम रही गाद और डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण हरियाणा के हथनी कुंड बैराज से पहले की तुलना में कम पानी छोड़े जाने के बाद भी दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ जाता है। हथनी कुंड से सितंबर, 1978 में आठ लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था और दिल्ली में लोहा पुल के पास यमुना का जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा था। वहीं, पिछले वर्ष मानसून के दिनों में 3.29 क्यूसेक पानी छोड़ने से जलस्तर 207.88 मीटर तक पहुंच गया था। इससे स्पष्ट है कि 1978 की तुलना में यमुना की जलधारण क्षमता मात्र 50 प्रतिशत रह गई है। दिल्ली में नदी की सफाई के लिए आधुनिक मशीन खरीदी जा रही है।

तरुण खटीक हत्याकांड: विहिप ने कहा- विवाद की शुरूआत करने वाली महिला से हो पूछताछ, दिल्ली में निकालेंगे मशाल जुलूस

नई दिल्ली। उत्तम नगर में होली के दिन तरुण खटीक की बर्बर झुंड द्वारा की गई मॉब लिंचिंग की विश्व हिंदू परिषद ने कठोर शब्दों में निंदा की है। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने पत्रकार वार्ता में कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में सात साल की मासूम बच्ची ने अपने ताऊजी पर पानी का गुब्बारा फेंका था, जिसके चंद छींटे वहां से गुजर रही एक मुस्लिम महिला के कपड़ों पर क्या गिरे, पहले तरुण के माता-पिता और ताऊ जी को निर्ममता से पीटा। फिर तरुण की तलवारों, पत्थरों व लाठियां से सरेआम नृशंस हत्या कर दी गई। डॉ. सुरेंद्र ने कहा कि क्या उस महिला को नहीं पता था कि होली रंगों का त्यौहार है और उसके छींटे किसी पर भी गिर सकते हैं? उस महिला का होली पर बाहर निकलना और पानी के छींटे गिरते ही 25-30 जेहादियों की भीड़ का हथियारों के साथ तुरंत बाहर आकर हिंसा का नंगा नाच करना, महज

संयोग नहीं हो सकता। अभी तक इस हत्याकांड की मुख्य षड्यंत्रकारी उस महिला को गिरफ्तार तक नहीं किया गया, उसे अविलंब गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी मॉडल को पूरी तरह लागू करने की आवश्यकता है। अभी 30 आरोपितों में सात ही गिरफ्तार हुए हैं। पूरी दिल्ली में आक्रोश प्रकट किया जाएगा। मशाल जुलूस निकाला जाएगा। जरूरत पड़ी तो पूरे देश में आंदोलन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि देश भर में यह देखा गया है कि जिहादी अक्सर दंगाई महिलाओं और अवयस्कों को ही आगे करते हैं, जिससे वे कानूनी कार्रवाई से बच सकें। अब उनकी इस रणनीति पर भी रोक लगाने का समय आ गया है। डॉ. सुरेंद्र ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू त्योहारों व शोभा यात्राओं पर हमले तथा भीड़ हिंसा कर हिंदुओं की हत्या करने का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। इसी वर्ष पावन होली पर हिंदुओं के खून से होली खेलने के लिए 11 से अधिक हमले किए गए। पिछले 10 वर्षों में केवल होली पर हमलों की 42 से अधिक शिकायतें दर्ज की जा चुकी है। होली ही नहीं, हिंदुओं का कोई भी पर्व ऐसा नहीं है, जिस पर जिहादी हिंदुओं पर हमले न करते हों। पिछले 10 वर्षों में हिंदुओं के त्योहारों पर 240 से अधिक बार प्राण घातक हमले किए गए, जिनमें कई हिंदुओं को घेर कर मारा गया। इनकी सूची इस विज्ञप्ति के साथ जारी की गई है, जो सिर्फ शिकायत की गई कतिपय घटनाओं पर आधारित है। वास्तविकता और भी भयावह है। उन्होंने कहा कि जिहादियों में हिंदुओं के प्रति क्रूरता और घृणा बढ़ती जा रही है। उधर उत्तम नगर के हिंदू समाज की प्रतिक्रिया से भी इन्हें स्पष्ट हो गया होगा कि अब हिंदू समाज का आक्रोश भी बढ़ रहा है। वह सिर्फ कानूनी कार्रवाई की प्रतीक्षा में हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाला नहीं है। रामास्वामी उदयार मामले में उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सबको स्मरण रखनी चाहिए कि अगर एक वर्ग हिंदुओं को अपने उत्सव व शोभा यात्राओं के आयोजन में बाधा डालता है

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, अनुमति न होने पर पुलिस ने कई को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। यूजीसी के विवादित नियमों के विरोध में रविवार को जंतर मंतर के नजदीक राष्ट्रीय परशुराम सेना समेत अन्य संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, बिहार व हरियाणा सहित अन्य राज्यों से लोग पहुंचे थे। उनके हाथ में विरोध जताते बैनर, पोस्टर थे। ये सभी जंतर-मंतर धरना स्थल पहुंचने की कोशिश में थे, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं होने का हवाला देकर उन्हें वहां नहीं जाने दिया। उसके बाद हंगामा करने पर कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। पहले प्रदर्शनकारी संसद मार्ग पर जुटे थे। इस मौके पर कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कानून ऐसा बनाना चाहिए जो सभी समाज और वर्ग के हितों की रक्षा करे। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी के नए नियम सामान्य वर्ग का उत्पीड़न करने वाले हैं। उन्हें केंद्र सरकार को वापस लेना चाहिए। प्रदर्शन में शामिल अनिल मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान, समान अधिकार और न्याय की लड़ाई है। वहीं, रोहित शर्मा ने कहा कि पुलिस प्रदर्शन करने से रोक रही है।

मालवीय नगर नस्लीय टिप्पणी मामला: 'नॉर्थईस्टर्न लोग गंदे' कहने वाले दंपती की जमानत याचिका पर फैसला टला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पूर्वोत्तर की महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणियों के आरोपी दंपती की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले की सुनवाई और आदेश सुरक्षित दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को आरोपी दंपती की जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समर विशाल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और मंगलवार के लिए आदेश सुरक्षित रखा। आरोपी हर्ष प्रिया सिंह और रूबी जैन को 25 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उन्होंने दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर की तीन महिलाओं पर नस्लीय गालियां दीं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। आरोपियों की ओर से

दलीलें आरोपियों के वकील गौरव ने तर्क दिया कि यह मामला केवल पड़ोसियों के बीच हुए सहज विवाद का है, जिसमें दोनों पक्षों ने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत नस्लीय भेदभाव का मामला नहीं है, क्योंकि आरोपी यह नहीं जानते थे कि शिकायतकर्ता आदिवासी हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी ने शिकायतकताओं की जनजातीय पहचान को लक्षित करने वाली कोई भाषा नहीं इस्तेमाल की। वकील ने यह भी तर्क दिया कि विवाद किराये के मकान के अंदर हुआ था, जो एससी/एसटी एक्ट की धारा 3 के तहत 'सार्वजनिक स्थान' नहीं माना जा सकता। उन्होंने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल खुद आरोपियों ने की थी, क्योंकि वे भी शिकायतकताओं की भाषा से डरे हुए थे। गौरव ने कहा कि घटना से जुड़े सभी सबूत पुलिस द्वारा जब्त कर लिए गए हैं और आरोपी पहले से ही जांच में शामिल हो चुके थे, इसलिए अब हिरासत में पूछताछ की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 (विभिन्न नस्लीय समूहों के बीच दुश्मनी फैलाने) को लागू न करने का भी तर्क दिया, क्योंकि वीडियो खुद शिकायतकताओं ने सोशल मीडिया पर अपलोड किया और इसे व्यापक रूप से फैलाया। रूबी जैन की सेहत बिगड़ने का हवाला देते हुए वकील ने कहा कि जेल में उनका इलाज बाधित हुआ है। उन्होंने बीएनएसएस की धारा 480 के तहत महिलाओं को गैर-जमानती अपराधों में विशेष जमानत देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि रूबी की मेडिकल स्थिति उनके मूड और आक्रामकता को प्रभावित करती है,

उत्तम नगर हत्याकांड: पकड़ी गई होली पर छींटें पड़ने को तूल देने वाली सायरा, 7 और गिरफ्तार, अब तक 14 पकड़े गए

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन हुए युवक की हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। द्वारका जिला पुलिस ने इस मामले में सात और आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक और नाबालिग को भी पकड़ लिया गया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक 14 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और दो नाबालिगों को भी पुलिस ने पकड़ा है। द्वारका जिला पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सायरा उर्फ काली (40), सरिफन (50), सलमा (36), सुहैल उर्फ साहिल (21), समीर चौहान (20), फिरोज (22) और इस्माइल (50) के रूप में हुई है। सभी आरोपित उत्तम नगर इलाके के रहने वाले हैं। इसके अलावा 14 वर्षीय एक नाबालिग को भी पकड़कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। होली के दिन हुआ था हत्याकांड पुलिस के अनुसार होली के दिन उत्तम नगर इलाके में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर तरुण कुमार पर हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई थी और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया था। मुख्य आरोपी के घर पर चल चुका है बुलडोजर घटना के बाद प्रशासन ने भी सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य आरोपी के घर पर कार्रवाई की थी। नगर निगम की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में आरोपी के मकान के अवैध हिस्से पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया था। कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आरोपितों से पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

किसान ट्रस्ट का अपराजिता सम्मान: एसिड अटैक सर्वाइवर्स के हौसले को सलाम, केंद्रीय मंत्री ने साझा किया सशक्तिकरण का मंत्र

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किसान ट्रस्ट द्वारा अपराजिता सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के साहस, संघर्ष और उपलब्धियों का सम्मान करना तथा उनके सशक्तिकरण के लिए सार्थक संवाद को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर दिल्ली से लेकर मुजफ्फरनगर तक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इकिसान ट्रस्ट की ट्रस्टी एवं कार्यक्रम की आयोजक चारू चौधरी ने कहा कि अपराजिता सम्मान समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन अनगिनत महिलाओं के साहस, संघर्ष और उपलब्धियों को सलाम करने का एक प्रयास है, जो हर दिन चुनौतियों के बावजूद अपने सपनों और समाज के लिए नई राहें बना रही हैं। किसान ट्रस्ट का मानना है कि जब महिलाओं को सम्मान, अवसर और संसाधन मिलते हैं, तो केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे समाज और देश का भविष्य मजबूत होता है। इसी विश्वास के साथ हम महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। किसान अधिकारों के प्रबल प्रवक्ता भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट ग्रामीण और वंचित समुदायों के सशक्तिकरण के लिए कार्य करता रहा है, जिसमें विशेष रूप से किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ट्रस्ट ने एसिड अटैक सर्वाइवर्स के पुनर्वास में भी सहयोग प्रदान किया है और उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। ह्यअपराजिता सम्मान समारोह 2026ह्न कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपनी उपस्थिति और सम्बोधन से कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर माननीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि किसान मसीहा भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं और विशेष रूप से एसिड अटैक सर्वाइवर महिलाओं को आर्थिक सहयोग एवं हौसला देना

दिल्ली में डीटीसी बस ने तीन राहगीरों को कुचला, दो की मौत; गुस्साई भीड़ ने बस में आग लगाकर की तोड़फोड़

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नांगलोई-नजफगढ़ रोड पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। थाना निहाल विहार क्षेत्र में कमरुद्दीन नगर गांव मोड़ के पास डीटीसी की एक बस ने तीन राहगीरों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई, जबकी एक घायल महिला का इलाज जारी है। मृतक की पहचान निहाल विहार निवासी रविकांत के रूप में हुई है। वहीं अन्य दो घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के बाद मौके पर लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साई भीड़ ने एक डीटीसी बस में आग लगा दी और करीब 6 से 7 बसों में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। बिहार का रहने वाला था मृतक इस घटना में पुलिस ने एक मौत की पुष्टि की है। मृतक की पहचान 33 वर्षीय रविकांत के रूप में हुई है। उसके परिवार का ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय है।

दिल्ली शराब घोटाला: एचसी ने सीबीआई पर ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों पर लगाई रोक, आशीष सूद बोले- महीन पीसती है कानून की चक्की

नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में सोमवार को हुई सुनवाई के बाद दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली की सत्ता में रही आम आदमी पार्टी के नेताओं पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कानून की चक्की बहुत महीन पीसती है। आप के नेता अभी इंतजार करें और अभी से ही अपने को कट्टर ईमानदार घोषित करने की भूल न करें। भाजपा के अन्य नेताओं ने भी आम आदमी पार्टी पर तीखा कटाक्ष किया है। कुल 170 मोबाइल और 43 सिम कार्ड को तोड़े उन्होंने कहा कि आबकारी घोटाले के बहुत से सुबूत मौजूद हैं। हाईकोर्ट ने इस मामले में टिप्पणियां जिस तरह की टिप्पणियां दी हैं और सीबीआई के अधिकारियों पर टिप्पणी करने पर रोक लगा दी है तथा कई तरह के सवाल उठाए हैं। सूद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेता, आम आदमी नहीं, खास घोटालेबाज हैं। हाई कोर्ट ने राउज एवेन्यू कोर्ट की टिप्पणी पर स्टे दे दिया है। राउज

एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर उन्होंने भी कुछ ज्यादा जल्दी ही सेलिब्रेट किया। इस मामले में कुल 170 मोबाइल और 43 सिम कार्ड को तोड़े गए हैं जो खुद ही काफी कुछ इशारा कर रहे हैं। कैग रिपोर्ट का पेज नंबर 99 में कहा गया कि दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान हुआ है! दिल्ली की जनता को कोर्ट से मिलेगा न्याय वहीं, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा सीबीआई के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों पर रोक लगा दी गई है और दिल्ली एक्साइज पॉलिसी सीबीआई मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी करने पर कहा है।

उन्होंने कहा, 'दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का हम स्वागत करते हैं क्योंकि कहीं न कहीं एक आशा की किरण जागी है कि दिल्ली की जनता को शराब घोटाले में उच्च न्यायालय न्याय देगा...स्पष्ट लग रहा है कि निचली कोर्ट के आदेश से हाई कोर्ट सहमत नहीं है। दिल्ली की जनता को हाई कोर्ट जरूर न्याय देगा।'

sab ka sapna 10 March 2026:Layout 1 09-03-2026 21:34 Page 7

'यह तो बस शुरुआत है', हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद भरी हुंकार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जिंदगी में मुश्किलों का सामना करने से लेकर लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अपने सफर के बारे में बताया। पांड्या ने कहा कि अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी जीत उनके उस वादे का सबूत है जो उन्होंने खुद से किया था कि वे भारत के लिए ट्रॉफी जीतेंगे। उन्होंने 2024 वर्ल्ड कप में वापसी की, जबरदस्त वापसी की और 17 साल बाद जीत हासिल की।

हार्दिक पांड्या ने जियोस्टार पर कहा, 'जब हमने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो मैं पर्सनली बहुत मुश्किलों का सामना कर रहा था। उस टूर्नामेंट से पहले बहुत कुछ हुआ था और चीजें मेरे हिसाब से नहीं हो रही थीं। 2024 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले, मैंने मन बना लिया था कि मैं वापसी करूंगा। मैं जबरदस्त वापसी करना चाहता था। मैंने ऐसा किया और अपनी टीम को 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने में मदद की। अहमदाबाद में इस टी20 वर्ल्ड कप जीत की बात करें तो, यह कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं हमेशा जीता रहा हूं। मैं अपने देश के लिए अच्छा करने और ट्रॉफी जीतने के लिए क्रिकेट खेलता हूं। मैं भारत के लिए सभी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।'

पांड्या ने कहा, 'बारबाडोस में जीत के बाद मैंने खुद से वादा किया था कि मैं जो भी टूर्नामेंट खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा, और ट्रॉफी उठाऊंगा। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ यह जीत इस बात का सबूत है कि मैंने खुद से जो वादा किया था, वह सच हो गया है। और यह तो बस शुरुआत है।'

भारत ने मिचेल सेंटनर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड को 96 रन के बड़े अंतर से हराकर अपना टी20 वर्ल्ड कप खिताब बचाया। इस जीत के साथ भारत अपने घर में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, 2024 एडिशन जीतने के बाद लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम, और इसे तीन बार (2007, 2024, 2026) जीतने वाली पहली टीम बन गई।

पंड्या की बात करें तो उन्होंने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 9 पारियों में 27.12 के औसत और 160.74 के स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। 32 साल के स्टार ऑलराउंडर ने भारत के लिए गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9 मैचों में 2/16 के बेस्ट फिगर के साथ कुल 9 विकेट लिए।

स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधू, भारतीय चुनौती का दारोमदार श्रीकांत और प्रणय पर

बासेल (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधु तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा।

भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा, 'वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा।' भारत लौटने के बाद सिंधु ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

पुरुष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कोंट वेसले को और जुंसुक कुओ से होगा। हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपे के चेन झिरे और लिन यू चियेह से खेलेंगे। महिला एकल में उन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपे की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपे की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी।

सूर्यकुमार विश्व क्रिकेट के सबसे सफल टी20 कप्तान बने

-रोहित दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में खिताबी जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव इस प्रारुप के सबसे सफल कप्तान बन गये हैं। एशिया कप और टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव का जीत का औसत टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

अब तक टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अच्छा जीत प्रतिशत रोहित शर्मा के नाम था पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतते ही सूर्यकुमार ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 42 मैच उन्होंने जीते हैं और केवल 8 मैचों में वह हारे हैं। 2 मैचों के परिणाम नहीं निकले हैं। उनका जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 80.77 का है।

वहीं रोहित ने भारत को 80.65 फीसदी मैच जिताए हैं। रोहित ने 62 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 50 मैचों में टीम को सफलता मिली है, जबकि 12 मुकाबले भारतीय टीम हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान सरफराज अहमद हैं, जिन्होंने 78.38 फीसदी मैच पाकिस्तान को जिताए थे। 37 मैचों में से 29 मैचों में उनकी टीम को जीत मिली थी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श चौथे स्थान पर हैं, जिनका जीत प्रतिशत 69.23 का है। 39 मैचों में से 27 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का जीत प्रतिशत 66.67 फीसदी है। उन्होंने 27 मैचों में से 18 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलायी है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

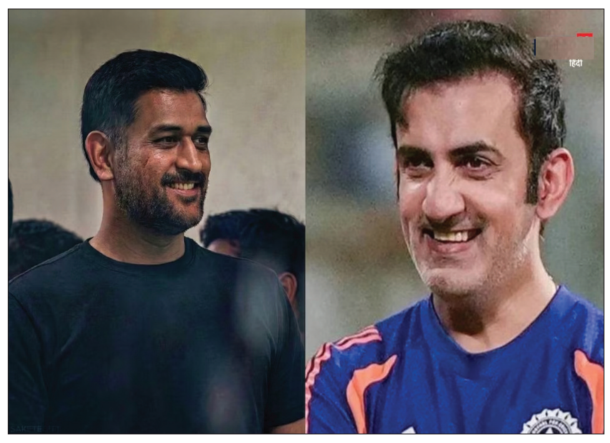

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, ÷कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।÷ गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।' 'कोच साहब' वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो उनकी छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढहा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखा: 'बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।' इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्ष्मण के प्रति आभार जताया

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है । साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं । इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है । गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है । मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं ।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है । गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया । साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं । साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है । साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं । उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है । साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी । कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया । वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं । उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते । . हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये । गंभीर के कार्यकाल में अब तक टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं । इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था । भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है । इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है ।

28 मार्च से शुरु हो सकता है आईपीएल

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र 28 मार्च से शुरू होने की संभावनाएं हैं । वहीं इसका फाइनल 31 मई को खेला जाना तय हुआ है । आईपीएल में पहला मुकाबला परंपरा के अनुसार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी और पिछली उपविजेता पंजाब किंग्स के बीच होगा । ये मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत की तारीख तय हो गयी हैं पर लेकिन बीसीसीआई ने अभी तक इस 19 सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है । माना जा रहा है कि इसका कारण अप्रैल और मई में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है । इस तीनों ही राज्यों में भी आईपीएल मैच स्थल हैं। आईपीएल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी करनी होती है । इसी काण भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) चुनाव आयोग द्वारा घोषित आधिकारिक मतदान तारीखों का इंतजार कर रहा है । इन तारीखों के सामने आने के बाद ही आईपीएल 2026 के पूरे कार्यक्रम को बोर्ड जारी करेगा ।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है । अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे । ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ । बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की । एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं । सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी । वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी । इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है । वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी । पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे । चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये । एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके । सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये । ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे ।

महिला एशियन कप: क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा।

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी। जापान छह पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।' मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, 'हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।'

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे । सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है । उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है । एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं। भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले । जीतना हालांकि मैंने ही है । भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ। 8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया ।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं । शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं । वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं । अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है । वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता । कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए । अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है ।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं । इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही ।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफीका टी20 सीरीज

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी । इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा । तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी । तहूहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है । उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं ।

इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी । उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा । साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं । उनके पास दक्षिण अफीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है । ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है । उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है ।

इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है। उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं। तहुहू ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। वहीं अपना अंतिम एकदिवीसय मैच आईसी महिला विश्वकप 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था ।

सैमसन की बल्लेबाजी में नजर आती है कोहली और रोहित दोनो की खूबी : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच और दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने टी20 विश्वप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुंबले ने सैमसन की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी बल्लेबाजी विराट और रोहित का मिला-जुला रुप है।

कुंबले के अनुसार सैमसन जरुरत के अनुसार कोहली की तरह एक छोर को संभाल सकता है और पावरप्ले में रोहित की तरह आक्रामक रुख अपना कर रन बटोर सकता है। , कुंबले ने सैमसन की बल्लेबाजी के रवैये को लेकर कहा कि कहा, अगर आप 2024 के पिछले विश्व कप को देखें, तो उसमें विराट और रोहित दोनो ही शामिल थे। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उनकी जगह की कमी पूरी करना कठिन है। मुझे लगता है कि सैमसन एक तरह से कोहली और रोहित का मिला-जुला रुप हैं। जब कोहली की थोड़ी जरूरत होती है, तो वह योजना बनाते हैं और इस बात का प्रयास करते हैं कि आप विकेट न खोएं और फिर जब भी तेजी से रनों की जरूरत होती है पावरप्ले में रोहित की तरह गेंदबाजों का सामना करना चाहते हैं। सैमसन ने फाइनल में अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए केवल 7.1 ओवर में 98 रन बनाये। इसके बाद उन्होंने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 105 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि मुझे तो ऐसा लगा कि मैं सैमसन की पिछली पारी को देख रहा हूं।

डुप्लेसिस ने कहा, ÷आप देख सकते हैं कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो फॉर्म में है और जिस तरह से खेलना चाहता है, उस पर पूरी तरह से अमल करने में सफल रहा है। ऐसा लग रहा है कि मैं पिछली पारी फिर से देख रहा हूं। यह बस गेम प्लान दिखा रहा है।÷

sab ka sapna 10 March 2026:Layout 1 09-03-2026 21:34 Page 8

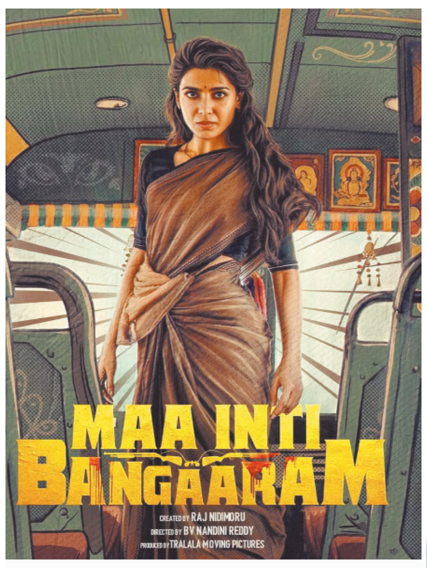

मई में दस्तक देगी सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम

अपनी शादी के बाद सामंथा रुथ प्रभु जल्द पर्दे पर वापसी को तैयार हैं। वे अपनी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका टीजर बीते दिनों रिलीज हुआ था। अब एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया गया है।

सामंथा रुथ की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' इस साल मई में रिलीज होगी। एक्ट्रेस ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का नया पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ रिलीज डेट का खुलासा किया है। यह फिल्म 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। सामंथा ने कैप्शन लिखा है, 'इस गर्मी में थिएटर में मिलते हैं। 'मां इंटि बंगाराम' दुनियाभर में बड़े स्तर पर रिलीज होगी'।

पति राज निदिमोरू ने किया प्रोड्यूस

सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है, जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी 'ओह! बेबी' के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म के टीजर में दिखाया गया था कि एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।' टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया।

कृति सेनन की ट्रोलिंग पोस्ट को लाइक करने पर यामी ने तोड़ी चुप्पी

पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया

पिछले दिनों यामी गौतम ने कृति सेनन को ट्रोल करने वाली एक पोस्ट को लाइक दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर बातें होने लगी हैं। यामी ने इस पूरे मामले पर अब अपना पक्ष रखा है।

हाल ही में मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में 'तेरे इश्क में' के लिए एक्ट्रेस कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि 'हक' फेम एक्ट्रेस यामी गौतम इस अवॉर्ड की हकदार थीं। ऐसी ही एक पोस्ट को यामी गौतम ने लाइक कर दिया। इसके बाद यामी और कृति सेनन के फैंस सोशल मीडिया पर आपस में भिड़ गए। हाल ही में उस पोस्ट को लाइक करने के बारे में यामी गौतम ने चुप्पी तोड़ी है। यामी गौतम ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए पूरे विवाद को लेकर सफाई दी। वह अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक रील को 'लाइक' किया है, जो दूसरी एक्ट्रेस को ट्रोल कर रही थीं। हमें हर दिन कई चीजों में टैग किया जाता है। यह पोस्ट भी किसी भी दूसरे टैग की तरह एक अवॉर्ड फंक्शन की थी। यह सच नहीं है और उस पोस्ट को जानबूझकर लाइक किया गया। यह गलती से क्लिक हो सकता है।'

सिर्फ काम पर फोकस करती हैं यामी

वह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी सस्ती पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है और आगे बढ़ी हूं। क्लिकबेट की दुनिया में बड़े सोशल मीडिया पोर्टल्स द्वारा इस बात को गॉसिप में बदलना हैरान करता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि वो लोग इस बात पर विचार करेंगे कि मैंने इससे बेहतर इज्जत कमाई है।' यामी ने यह भी बताया कि उनकी कोई पीआर टीम नहीं है। वह कहती हैं, 'मेरी कोई पीआर टीम नहीं है। मैंने अवॉर्ड शो पर बहुत पहले ही अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। मैं अपने काम पर फोकस करती हूं।'

'धुरंधर 2' का हिस्सा होंगी यामी गौतम

पिछले साल यामी गौतम फिल्म 'हक' में नजर आई थीं। यह फिल्म 1985 में मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस पर आधारित थी। फिल्म में महिलाओं के हक की बात की गई है। फिल्म 'धुरंधर 2' में भी यामी गौतम नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को उनके पति और डायरेक्टर आदित्य धर ने बनाया है।

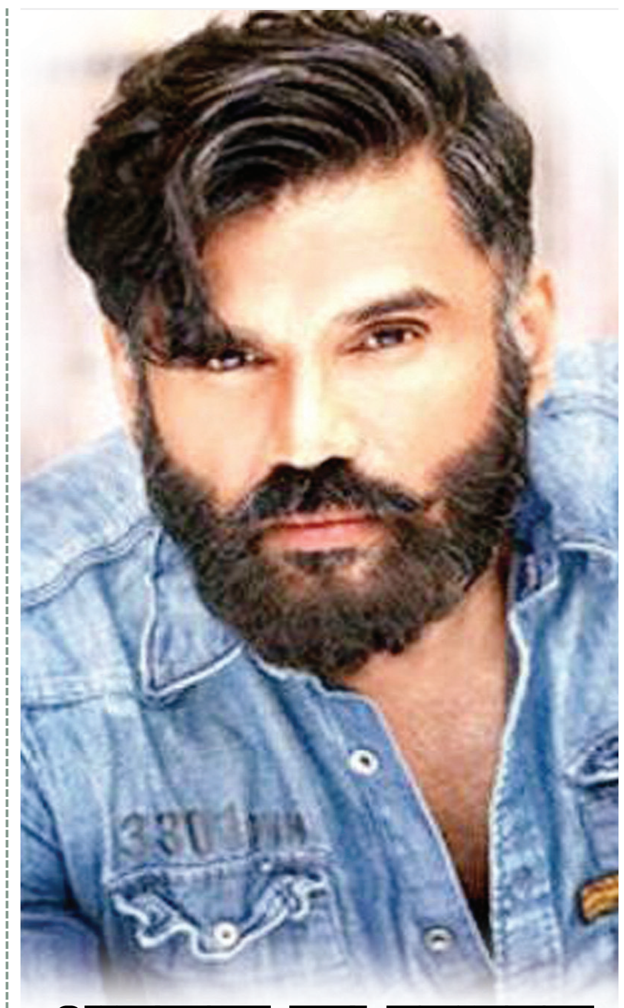

शाहरुख का स्टारडम सबसे अलग है?

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है?

एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था। भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं। वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे आजकल के एक्टर्स की सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

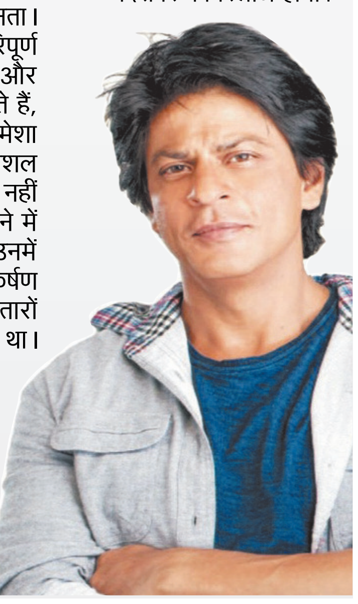

क्या डेट कर रहे हैं तृषा और विजय

तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आई। एक्टर विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ 'अवैध संबंध' था। इस मामले के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक एक्ट्रेस से विजय का नाम जोड़ रहे हैं।

संगीता की तलाक की अर्जी में किसी एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं वह इशारा विजय और तृषा कृष्णन की ओर तो नहीं था। अब सोशल मीडिया पर इसी बात की चर्चा हो रही है कि क्या विजय और तृषा की कथित नजदीकियां ही उनके तलाक की वजह बनीं? कुछ लोग विजय को उनकी शादी में बेवफाई का दोष दे रहे हैं, तो कुछ सीधे तौर पर तृषा को इस अलगाव के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। एक्स पर इस मामले को लेकर कई तरह के पोस्ट वायरल हो रहे हैं।

साथ में कई फिल्में कर चुके हैं विजय और तृषा

विजय और तृषा की जोड़ी लंबे समय से तमिल सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक रही है। 'घिल्ली'), 'थिरुपाची', 'आथि' और 'कुरुवी' जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि 'कुरुवी' के बाद दोनों ने अचानक साथ काम करना बंद कर दिया, जिसके बाद अफवाहों का दौर शुरू हो गया। कहा गया कि 'घिल्ली' के दौरान उनकी दोस्ती कुछ ज्यादा गहरी हो गई थी। यहां तक कि यह भी चर्चा रही कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा से दूरी बनाने की सलाह दी थी। हालांकि विजय और तृषा दोनों ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया और कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

राज शांडिल्य ने एकता कपूर के लीगल नोटिस को बताया बेबुनियाद

'भागम भाग 2' को लेकर निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच कानूनी विवाद पैदा हो गया है। इसके चलते फिल्म की शूटिंग टलने की खबरें हैं। अब निर्देशक ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है। साथ ही लीगल नोटिस पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर 'भागम भाग 2' को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग भी मार्च के महीने में ही शुरू होने वाली थी। लेकिन अचानक फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच लीगल टसल शुरू हो गई। जिसके चलते अब शूटिंग फिलहाल टल गई है। एकता कपूर से लीगल नोटिस मिलने के बाद अब निर्देशक राज शांडिल्य ने एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें अविश्वास का सामना करना पड़ा।

सिर्फ डराने धमकाने का प्रयास

राज शांडिल्य ने 2019 में एकता कपूर के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट किया था। लेकिन बाद में निर्देशक ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद एकता कपूर ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। अब राज ने वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में अपना बयान साझा किया है। रिपोर्ट में इस मामले पर राज के बयान में कहा गया, 'मैंने अपने संविदात्मक अधिकारों (कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स) के अनुसार, बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस को जारी किए हुए अब दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है।

अगर बालाजी टेलीफिल्म्स को लगता कि उनके पास कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वो कोर्ट में जा सकते हैं। ऐसी कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। इसके बजाय, अब जो सामने आया है वह मामले को तूल देने और गलत क्रिमिनल आरोप लगाने का प्रयास है। ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस मामला न होने का एहसास होने के बाद डराने-धमकाने का एक प्रयास मात्र प्रतीत होते हैं।'

फिल्म तय समय पर आगे बढ़ रही है

निर्देशक के बयान में आगे कहा गया, 'मुझे अपनी कानूनी स्थिति पर पूरा भरोसा है और मैं ऐसे किसी भी आरोप का उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से जवाब दूंगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि फिल्म 'भागम भाग 2' अपने तय समय पर चल रही है और प्रोजेक्ट निर्धारित समय पर आगे बढ़ेगा। फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री के मेंबर इस तरह के दबाव बनाने के तरीकों पर ध्यान दें। भविष्य में पेशेवर संबंधों का निर्णय लेते समय अपने निष्कर्ष निकालें।' इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि राज को प्रोडक्शन हाउस के साथ कम्युनिकेशन के तरीके से असहजता महसूस हुई। निर्देशक ने अपनी तीसरी फिल्म 'सोनम बेवफा है' की स्क्रिप्ट पहले ही पूरी कर ली थी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस से हाल ही में मिले संचार से उन्हें लगा कि पूछताछ दखलंदाजी भरी और अविश्वासपूर्ण थी।

'भागम भाग 2' से गोविंदा की हुई छुट्टी

अक्षय कुमार और परेश रावल की प्रमुख भूमिकाओं वाली 'भागम भाग 2' 2006 में रिलीज हुई 'भागम भाग' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार गोविंदा की फिल्म से छुट्टी हो गई है। उनकी जगह मनोज बाजपेयी फिल्म का हिस्सा बने हैं। 'भागम भाग' का निर्देशन जहां प्रियदर्शन ने किया था, वहीं 'भागम भाग 2' को राज शांडिल्य निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के इसी साल के अंत तक रिलीज होने की संभावनाएं थीं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।